भोजपुर का महादेव मंदिर

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 261/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 28 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

पहलगाम अटैक को लेकर मोदी और राजनाथ के बीच गहन मंथन

आतांकियों और पाक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करने के मूड में केंद्र सरकार

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच अहम बैठक खत्म हो चुकी है। पीएम मोदी के आवास पर 40 मिनट तक चली बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवल भी शामिल थे। इस बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी सरकार के अगले कदम को लेकर कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को सीडीएस अनिल चौहान के साथ मीटिंग की थी।

पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत सरकार लगातार अहम फैसले ले रही है। पाकिस्तान के साथ सिंधु समझौता खत्म करने से लेकर पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा कैंसिल करने तक भारत सरकार ने अपने फैसलों से पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश दिया है। आतंकी हमले के बाद दो बार पीएम मोदी ने जनता को संबोधित किया है और दोनों मौकों पर पीड़ितों को न्याय दिलाने की बात कही है।

पहलगाम हमले के बाद कुछ बड़ा होने की चर्चा तेजी से चल रही है। इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार सुबह सबसे पहले आर्मी चीफ से मुलाकात की और लंबी मंत्रणा की। उसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लोक कल्याण मार्ग स्थिति प्रधानमंत्री आवास पहुंचे और वहां पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। राजनाथ ने पीएम को ताजा हालात के बारे में अपडेट दिया है। दोनों नेताओं के बीच करीब 40 मिनट तक गहन मंत्रणा हुई। रक्षा मंत्री सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक की है और पहलगाम में चल रहे ऑपरेशन और स्थिति की जानकारी दी है। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सुबह साउथ ब्लॉक पहुंचे थे, जहां उन्हें सेना प्रमुख ने सैन्य ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी थी।

दरअसल, पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी का बेहद रुख देखा जा रहा ह। ऐसे में पूरी दुनिया में यह चर्चा है कि कुछ बड़ा होने वाला है और भारत आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने जा रहा है। दिल्ली से लेकर बॉर्डर तक हाईअलर्ट देखने को मिल रहा है। पहलगाम में आतंकी हमले पर देश का आक्रोश थम नहीं रहा है। आतंकियों को गिरफ्त में लेने का ऑपरेशन लगातार चल रहा ह। संकेत बड़ी तैयारी के हैं। पीएम मोदी और रक्षा मंत्री सिंह की इस बैठक की जानकारी को पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। ये बैठक सैन्य ऑपरेशन की रणनीति का हिस्सा है।

सुरक्षा मेरी जिम्मेदारी थी मृतकों के नाम लेकर कहा- माफी मांगने के लिए मेरे पास शब्द नहीं: उमर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सोमवार को पहलगाम अटैक में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी गई। राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सभी मृतकों के नाम लिए। घटना पर दुख जताया और कहा- मेजबान होने के नाते मैं सुरक्षा के लिए जिम्मेदार था। इन लोगों के परिजनों से मैं कैसे माफी मांगू। माफी के लिए मेरे पास कोई शब्द नहीं है। पहलगाम हमले पर सीएम उमर अब्दुल्ला का विधानसभा में यह पहली स्पीच थी।

17 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर भारत में प्रतिबंध

नई दिल्ली । पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भड़काऊ और संवेदनशील सांप्रदायिक सामग्री फैलाने के लिए भारत ने 17 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिन यूट्यूब चैनलों पर कार्रवाई की गई है, उनमें कई पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर्स के भी चैनल शामिल हैं। इसके अलावा विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट के दौरान अपने बयानों से तहलका मचाने वाले पाकिस्तान के वासे और इफ्फी भाई के यूट्यूब चैनल पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इनके चैनल पर क्लिक करने पर लोगों को भारत सरकार के गाइडलाइन का मैसेज दिख रहा है। जिन चैनलों को बंद किया गया है, उस पर यह लिख कर आ रहा है, राष्टीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित सरकार के आदेश की वजह से यह सामग्री वर्तमान में इस देश में उपलब्ध नहीं है।

चार पाकिस्तानी क्रिकेटर्स के यूट्यूब चैनलों पर कार्रवाई

जिन यूट्यूब चैनलों को भारत में बैन किया गया है, उनमें रावलपिंडी एक्सप्रेस के नाम से मशहूर शोएब अख्तर का चैनल शोएब अख्तर, पूर्व पाकिस्तानी कप्तान बासित अली का यूट्यूब चैनल बासित अली, पूर्व पाकिस्तानी कप्तान राशिद लतीफ और वरिष्ठ पत्रकार नौमान नियाज का यूट्यूब चैनल कॉट बिहाइंड, पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज तनवीर अहमद का यूट्यूब चैनल तनवीर सेज शामिल हैं।

सांध्यप्रकाश विशेष

1991 बैच के आईएएस अधिकारी के रामकृष्ण राव तेलंगाना के नए मुख्य सचिव नियुक्त

हैदराबाद। भारतीय प्रशासनिक सेवा में 1991 बैच के आईएएस अधिकारी के रामकृष्ण राव को तेलंगाना सरकार ने राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। वे निवर्तमान मुख्य सचिव ए शांति कुमारी (आईएएस 1989) का स्थान लेंगे, जो 30 अप्रैल, 2025 को सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त होने वाली हैं। रामकृष्ण राव, जो वित्त विभाग के विशेष मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं, ने वर्तमान प्रशासन और पिछली बीआरएस सरकार दोनों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली हैं। संबंधित आदेश में सरकार ने रामकृष्ण राव को मुख्य सचिव के रूप में उनकी नई जिम्मेदारियों के साथ-साथ अगले आदेश तक वे वित्त विभाग के मुख्य विशेष सचिव का कार्य भी देखते रहेंगे।

रामकृष्ण राव कुडलिगी तेलंगाना कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) के 1991 बैच के अधिकारी हैं। वे वर्तमान में तेलंगाना सरकार के वित्त और योजना विभागों के विशेष मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं। राज्य के वित्त का विवेकपूर्ण और टिकाऊ प्रबंधन उनकी जिम्मेदारी है। नए राज्य के अब तक के सभी 10 बजट बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है और उन्होंने राज्य की प्रमुख योजनाओं के लिए आवश्यक संसाधन जुटाए हैं। उन्होंने राज्य में विभिन्न वित्तीय प्रणालियों को सफलतापूर्वक पेश किया है जिससे वित्तीय नियंत्रण और पारदर्शिता बढ़ी है। इसके अलावा, उनके पास नए राज्य तेलंगाना के गठन से संबंधित सभी मामलों को देखने वाले राज्य पुनर्गठन विभाग का प्रभार भी है। उन्होंने सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (सीजीजी) के महानिदेशक के रूप में भी काम किया है। महानिदेशक के रूप में, वे देश के कई राज्यों में मुख्य रूप से आईटी पर आधारित कई सुधार कार्यक्रमों से जुड़े रहे हैं। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में नेतृत्वकारी पदों पर कार्य किया है और संयुक्त आंध्र प्रदेश में आदिलाबाद और गुंटूर के कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट रहे हैं। उन्होंने कानपुर और दिल्ली स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) से इंजीनियरिंग में स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की है तथा निवेश में एमबीए भी किया है।

कूनो में मादा चीता निर्वा ने दिया पांच शावकों को जन्म, सीएम मोहन यादव ने पोस्ट कर दी बधाई

भोपाल। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले स्थित कूनो नेशनल पार्क ने एक बार फिर से भारत के वन्यजीव संरक्षण में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। मादा चीता निर्वा ने पांच शावकों को जन्म दिया है। इसके बाद कूनो में अब कुल चीतों की संख्या बढ़कर 29 हो गई है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने इस उपलब्धि की जानकारी दी और सभी को बधाई दी। सीएम डॉ मोहन यादव ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा- कूनो में नए मेहमानों का स्वागत है! 5 वर्षीय निर्वा ने पांच स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। यह चीता प्रोजेक्ट की सफलता और भारत की समृद्ध जैव-विविधता का प्रतीक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वन्यजीव संरक्षण के लिए बन रहे अनुकूल वातावरण की भी सराहना की।

ओटीटी पर अश्लीलता गंभीर मुद्दा, सरकार को कुछ करना चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को ऑनलाइन अश्लील कंटेंट की स्ट्रीमिंग पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने केंद्र सरकार और ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि याचिका एक गंभीर चिंता पैदा करती है। केंद्र को इस पर कुछ कदम उठाने की जरूरत है। यह मामला कार्यपालिका या विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। ऐसे भी हम पर आरोप हैं कि हम कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में दखल देते हैं। फिर भी हम नोटिस जारी कर रहे हैं। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट को लेकर कुछ रेगुलेशन पहले से मौजूद हैं। सरकार और नए नियम लागू करने पर विचार कर रही है। याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट विष्णु शंकर जैन पेश हुए। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार से ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अश्लील कंटेंट पर रोक लगाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि ऐसी सामग्री युवाओं और समाज पर नकारात्मक प्रभाव डालती है।

भारत टॉकीज चौराहे पर ग्रैंड होटल के पास बने टावर पर युवक चढ़ा

भोपाल के सड़क परिवहन का समन्वित प्लान बनाया जाए: यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राजधानी के सड़क परिवहन के संबंध में समन्वित रूप से प्लान बनाया जाए । आवागमन के लिए विकसित किए जाने वाली अधोसंरचना का निर्माण, मल्टीपरपज उपयोग सुनिश्चित करने की दृष्टि से किया जाए। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा कि जो भी कॉलोनी स्वीकृत हो उसमें सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य किया जाए।मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने आज भोपाल जिले के विकास कार्यों की मंत्रालय में समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, राज्यमंत्री कृष्णा गौर, मुख्य सचिव अनुराग जैन, एसीएस राजेश राजौरा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल को बेहतर राजधानी के रूप में कैसे व्यवस्थित किया जाए, इस पर जरूर ध्यान देना होगा। सड़क परिवहन सुचारु बनाने के लिए फुटपाथ भी खाली होना चाहिए। यहां फुटपाथों पर अतिक्रमण अधिक दिखाई देता है। सड़कों पर भी ठेले आदि लगे रहते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है। ये तमाम बाधाएं दूर होना चाहिए। मुख्यमंत्री का आभार माना मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव का भोपाल से बीआरटीएस कॉरिडोर हटाने के लिए विधायक रामेश्वर शर्मा तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने आभार माना। उन्होंने कहा कि इससे भोपाल में सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है।

आईएसआई समेत दूसरे टैरर ग्रुप के लिए स्लीपर सेल तैयार कर रहे 4 गिरफ्तार

रांची। धनबाद के वासेपुर से गिरफ्तार 4 संदिग्ध आतंकवादी संगठन के सदस्य निकले हैं। झारखंड एटीएस ने चारों संदिग्धों को शनिवार को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार संदिग्धों में गुलफाम हसन, आयान जावेद, शहजाद और शबनम परवीन थे। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि ये सभी आतंकी संगठन हिज्ब-उत-ताहिर (एचयूटी), अलकायदा इंडियन सब कॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस), आईएसआई और अन्य प्रतिबंधित संगठनों के लिए स्लीपर सेल तैयार कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि ये सभी सोशल मीडिया की मदद से युवाओं को गुमराह कर रहे थे। पूछताछ के बाद चारों को जेल भेज दिया गया है। एनआईए की जांच में यह खुलासा हो चुका है कि हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, और आंध्र प्रदेश में तेजी से स्लीपर सेल तैयार कर रहा है। अब झारखंड के धनबाद में भी इस संगठन से जुड़े संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आयान और शबनम कंप्यूटर के एक्सपर्ट हैं।

प्रोफेसर कॉलोनी में एक कार जलकर खाक हो गई ।

फ्रांस के राजदूत और रक्षा सचिव राजेश कुमार इस डील पर साइन करेंगे

समंदर में ताकत बढ़ाने फ्रांस से 63 हजार करोड़ की राफेल डील करेगा भारत

नई दिल्ली। समंदर में ताकत बढ़ाने के चीनी मंसूबों पर पानी फेरने का पूरा बंदोबस्त भारत ने कर लिया है। सोमवार को ही भारत और फ्रांस के बीच बड़ा रक्षा सौदा होने जा रहा है। जानकारी के मुताबिक दोनों देशों के बीच 26 राफेल मरीन कॉम्बैट विमानों की खरीद को लेकर 63 हजार करोड़ की डील साइन होने जा रही है। फ्रांस के राजदूत और रक्षा सचिव राजेश कुमार इस डील पर साइन करेंगे। वहीं दोनों ही देशों के रक्षा मंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ेगे। यह पूरा कार्यक्रम साउथ ब्लॉक स्थित रक्षा मंत्रालय के बाहर होना है। पहले फ्रांस के रक्षा मंत्री भारत आने वाले थे लेकिन निजी कारणों से उन्हें यह दौरा रद्द करना पड़ा। रक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी ने पहले ही इस डील को हरी झंडी दिखा दी थी।

बता दें कि भारत के युद्धपोतों को तत्काल नए फाइटर जेट्स की जरूरत है। मेंटिनेंस से संबंधी मामले को लेकर मिग-29 फाइटर जेट अब पहले की तरह काम नहीं कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि राफेल विमानों को आईएनएस विक्रांत पर तैनात किया जा सकता है।

70 करोड़ के आबकारी चालान घोटाले में ईडी का इंदौर भोपाल और जबलपुर में छापा

भोपाल। 71 करोड़ के फर्जी बैंक चालान घोटाले की जांच में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज सुबह बड़ी छापामार कार्रवाई की। ये घोटाला शराब कारोबारियों और आबकारी अधिकारियों की मिलीभगत से हुआ, जिसमें फर्जी चालानों के जरिए शराब की बिक्री हुई। ईडी की 18 टीमों ने इंदौर, भोपाल और जबलपुर में आबकारी अधिकारियों और ठेकेदारों के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। बताया गया कि इस घोटाले की राशि 72 से 100 करोड़ रुपये के बीच संभावित है। यह घोटाला शराब कारोबारियों और आबकारी अधिकारियों के गठजोड़ से फर्जी चालानों के जरिए किया गया। 6 मई को ईडी ने प्राथमिकी दर्ज की और आबकारी आयुक्त से 5 बिंदुओं पर जानकारी मांगी थी। मिली जानकारी को ईडी ने अधूरी बताकर दोबारा पूरी जानकारी मांगी। ईडी की जांच में सामने आया कि77 शराब कारोबारियों ने बैंक में मात्र 10 हजार रुपये जमा कराए और षड्यंत्रपूर्वक चालानों में इसे 10 लाख रुपये दिखाकर वेयरहाउस से देसी व विदेशी शराब उठा ली। इस गड़बड़ी से कारोबारियों को भारी मुनाफा हुआ।

शेष अंतिम पृष्ठ पर ....

भारतीय शिक्षण मंडल के स्थापना दिवस पर 'शिक्षा में राष्ट्रबोध' विचार गोष्ठी आयोजित

ऐसी पीढ़ी का निर्माण करना होगा जिसे देश और संस्कृति पर गर्व हो: शुक्ल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

हमें एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण करना होगा, जिसे अपनी चरित्र, समाज, संस्कृति पर गर्व हो। स्वदेश, स्वाभिमान, स्वभाषा, ज्ञान और संस्कृति के प्रति जिनके मन में स्वाभिमान हो। इसके लिए शिक्षा में राष्ट्रबोध के भाव का जागरण आवश्यक है। यह बात भारतीय शिक्षण मंडल के 56वें स्थापना दिवस पर 'शिक्षा में राष्ट्रबोध' विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में संपादक एवं लेखक डॉ. सुदीप शुक्ल ने कही। कार्यक्रम का आयोजन रविवार को सम्राट अशोक अभियांत्रिकीय संस्थान के स्मार्ट हॉल में हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पीएम एक्सीलेंस कॉलेज की प्राचार्य डॉ. वनिता वाजपेयी, विशिष्ट अतिथि आदर्श महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ब्रह्मदीप अलूने उपस्थित थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता एसएटीआई के निदेशक डॉ. वाय. के. जैन ने की।

डॉ शुक्ल ने अपने वक्तव्य में आगे कहा कि प्रत्येक नागरिक में राष्ट्र बोध का होना आवश्यक है। आप किसी भी संस्थान या भाषा में शिक्षा लीजिए परंतु उसमें राष्ट्रबोध का तत्व होना चाहिए। भविष्य के भारत के लिए हमें इसमें अपनी भूमिका का निर्वाह करना है। हमें भारत को सुदृढ़ बनाना है, स्वयं को भी सुदृढ़ बनाना है। मुख्य अतिथ डॉ. वनिता वाजपेयी ने अपने संबोधन में कहा कि हमने शिक्षा में भाव और सोच आयातित कर ली है। समय के अनुसार अब शिक्षा और रोजगार में अंतर करना होगा और यह स्कूल से ही होना चाहिए। इस दौरान उन्होंने पहलगाम का उदाहरण देते हुए कहा कि हम में राष्ट्रबोध का अभाव है। हमें अनुशासन और लचीलेपन में अंतर करना होगा। बच्चों पर देश की विरासत की जिम्मेदारी है, हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. ब्रह्मदीप अलूने ने कहा कि चिंतन-मनन भारतीय मेधा की पहचान है। अफगानिस्तान से लैटिन अमेरिका तक भारतीय सभ्यता के चिन्ह मिलते हैं। हमें अपनी संकुचित विचार से निकला सभ्यता को व्यापकता की ओर ले जाना होगा क्योकि हमारी शिक्षा वसुधैव कुटुंबकम् की है। उन्होंने महाभारत का उदाहरण देते हुए बताया कि व्यक्ति से ऊपर राष्ट्र होता है। पिता का वचन पूर्ण करने के लिए वनवास स्वीकारना हमारी शिक्षा होती थी। पंच परमेश्वर का निर्णय समाज सहर्ष स्वीकारता था। तुलसीदास जी द्वारा पुन: जन जन में राम को स्थापित करना भी राष्ट्रबोध था। कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए डॉ. अमित श्रीवास्तव ने भारतीय शिक्षण मंडल का परिचय दिया एवं आयोजन की भूमिका रखी। अतिथियों का स्वागत समाजसेवी श्री विकास पचौरी ने किया। ध्येय श्लोक का वाचन निपुण वाजपेयी एवं ध्येय वाक्य का वाचन अक्षय शर्मा ने किया। एकल गीत की प्रस्तुति दीपक वश्विकर्मा ने दी। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार श्री अरविंद शर्मा ने किया।

कल 27 अप्रैल को सूर्यास्त का मनमोहक छाया चित्र

छायांकन - जगदीश कौशल भोपाल।

संतोष ही जीवन का परम धन है

मनुष्य की अनियंत्रित भोगवृत्तियाँ उसे न तो शान्ति प्राप्त करने देती हैं, न ही आत्मिक स्थिरता में स्थित होने देती हैं। सांसारिक ऐषणाओं का कोई अन्त नहीं है—एक पूरी होते ही दूसरी जन्म लेती है। ये इच्छाएँ, जो प्राय: अज्ञान और अविवेक की भूमि में उत्पन्न होती हैं, मन में अशान्ति, द्वंद्व और आंतरिक संघर्ष का कारण बन जाती हैं। हमें यह समझना होगा कि बाह्य विषयों में सुख की खोज निरर्थक है, क्योंकि वे क्षणिक और परिवर्तनशील हैं। जितना अधिक हम इन्द्रियों के प्रलोभनों में फँसते जाते हैं, उतना ही हम अपने आत्म-स्वरूप से दूर होते जाते हैं। आध्यात्मिक चिन्तन, आत्म-विवेक और उच्च विचारों का आलम्बन लेकर ही मन को संतोष और संतुलन प्रदान किया जा सकता है। जब मनुष्य आत्मा की ओर उन्मुख होता है, तो भीतर से एक परम शान्ति की धारा बहने लगती है, जो सभी भौतिक सम्पदाओं से श्रेष्ठ है। आइए ! हम जीवन में नैतिकता, सदाचार और सत्याचरण को अपना आदर्श बनाएँ। जो कुछ हमें प्राप्त हो, उसे ईश्वर का प्रसाद मानकर प्रसादबुद्धि रखें। निरन्तर संतुष्टि का अभ्यास करें, क्योंकि संतोष ही जीवन का परम धन है। वही धन, जो न चोरी हो सकता है, न छिन सकता है, और न ही समय उसे क्षीण कर सकता है।

फंदा में शोभायात्रा के साथ भगवान देवनारायण कथा शुरू

भोपाल। श्री 1008 महत श्री शंकर दास जी स्वामी श्री हरि हर मठ के आशीर्वाद से भगवान श्री देवनारायण प्राण प्रतिष्ठा पंच कुंडी विष्णु महायज्ञ एवं श्री देवनारायण कथा 28 अप्रैल से 4 मई तक कथा संत श्री सांवरिया जी गुर्जर के श्रीमुख से सुनाई जाएगी। रवि राजपूत ने बताया कि भव्य कलश यात्रा के साथ कथा एवं महायज्ञानुष्ठान शुभारम्भ किया गया। पूर्णाहूति, महाआरती एवं भंडारा दिनांक 04 मई 2025 रविवार को। कथा का समय दोपहर 1 बजे तक है। कथा स्थल है श्री देवनारायण मंदिर श्रीराम मंदिर के पास छत्री मोहल्ला श्री हरिहर नगर फंदा कलां संपन्न हो रही है जिसमें मुख्य रूप से यज्ञाचार्य पं. भरत शर्मा, पंडा चन्दन सिंह चौहान मौजूद है। यह आयोजन श्री हरिहर नगर फंदा कलां, फंदा खुर्द के ग्रामीणों द्वारा किया जा रहा है।

नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

भोपाल। सेंट्रल ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल्स के द्वारा कोलार के बंजारी क्षेत्र में 29 अप्रैल मंगलवार को सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक, नि: शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सेंट्रल ग्रुप के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डॉ. नितिन वर्मा ने मीडिया को अधिक जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में मल्टीस्पेशलिस्ट डॉक्टर्स का परामर्श, दवाइयां, हार्ट की जांच जैसे ईसीजी और खून की प्रमुख जांचें भी मरीजों को पूर्ण रूप से निःशुल्क प्रदान की जाएगी।

भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान ने 38वां स्थापना दिवस मनाया

भोपाल। राष्ट्रीय कृषि अखवार कृषक जगत के डायरेक्टर श्री सचिन बोन्द्रिया को सम्मानित करते हुए भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. मनेरंजन मोहंती। समीप हैं केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान के निदेशक डॉ. सी.आर. मेहता, पूर्व निदेशक आईआईएसएस डॉ. एस.पी. दत्ता, डॉ. ए. सुब्बाराव एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आर. इलनचेलियन भी उपस्थित थे।आईसीएआर-भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान (आईआईएसएस), भोपाल ने 16 अप्रैल, 2025 को अपना 38वां स्थापना दिवस मनाया। डॉ. ए.के. नायक डीडीजी, एनआरएम, आईसीएआर, नई दियी, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में ऑनलाइन मोड उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर डॉ. सी.आर. मेहता निदेशक केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान भोपाल, डॉ. एस.के. शर्मा प्रोफेसर और प्रमुख, आईआईटीबीएचयू, बनारस ने मुख्य अतिथि के रूप में पहला डॉ. एन. एस. रंधावा आईआईएसएस स्थापना दिवस व्याख्यान दिया। इस अवसर पर संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. पी.एन. टक्कर, डॉ. सी.एल. आचार्य, डॉ. ए. सुब्बाराव, डॉ. एस. पी. दत्ता, डॉ. ए.के. पात्र (वीसी, बीसीकेवी, कल्याणी, पश्चिम बंगाल) ने विशेष अतिथि के रूप में ऑनलाइन और ऑफ लाइनमोड में सभा को संबोधित किया।

सेवा भारती ने 50 बालिकाओं को आत्मरक्षा का दिया प्रशिक्षण, वितरित की पानी की बोतल

भोपाल। सेवा भारती शंकराचार्य मंडल में निवेदिता भारती की 50 किशोरियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जिसका समापन राधा कृष्ण शादी हॉल भानपुर में सेवा भारती महानगर अध्यक्ष और पूर्व न्यायाधीश शिवमंगल सिंह ने सभी बच्चियों को आशीष वचन देकर अपनी ओर शीतल जल हेतु पानी की बोतल वितरित की सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने बताया कि संस्था सदैव किशोरयो की समग्र उन्नति के लिए प्रयत्नशील है इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता चेतन भार्गव ने किशोरियों का मार्गदर्शन भी किया कार्यक्रम से पूर्व पहलगांव हमले में शहीद हुए नागरिकों के लिए मौन रख श्रंद्धाजलि दी गई इस अवसर पर कुसुम सिंह,महानगर महिला मंडल संयोजिका श्रीमती सुनीता सूर्यवंशी दीदी ,अशोक गंगवानी,सचिव राजेश मैथिल,सह सचिव, राजबहादुर, कोषाध्यक्ष डॉ शोभाराम पवार, गोविंद वर्मा, मंडल संयोजिका श्रीमती सुषमा विश्वकर्मा, दीदी ,ममता चौहान दीदी, अनीता ताम्रकार, अर्चना श्रीवास्तव दीदी, मंगला गूगे दीदी, पूर्णकालिक देवीराम साहू उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन एवं पोदार चैंपियन अकादमी का उद्घाटन

भोपाल। पोदार वर्ल्ड स्कूल, भोपाल में जिला स्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन एवं पोदार चैंपियन अकादमी का उद्घाटन किया गया। इस अकादमी में फुटबोल, स्केटिंग, बास्केटबॉल, क्रिकेट, टेबल टेनिस, और बैडमिंटन खेलों को बच्चों की रुचि के अनुसार सिखाया जाएगा और खेलों कि बारीकियों को बताया जाएगा। जिला स्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता में जिले भर के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र एवं छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में खेल भावना का विकास करना और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करना था।प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सभी ने अपनी कला, संतुलन और गति का शानदार प्रदर्शन किया। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता के अंत में विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस आयोजन ने बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाया और स्केटिंग के प्रति रुचि को प्रोत्साहित किया। इस प्रकार, जिला स्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता न केवल एक खेल आयोजन था, बल्कि यह बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी साबित हुआ। स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती पूजा शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के बच्चे कल के भविष्य है और इन्हें अच्छे से निर्माण करना हम सबका कर्तव्य है वहीं मुख्य अतिथि नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कहा कि यहां आकर देखा कि छोटे-छोटे बच्चे इतनी अच्छी स्केटिंग कर रहे हैं इससे साफ जाहिर होता है कि देश-विदेश में भोपाल मध्य प्रदेश का नाम रोशन यह बच्चे अवश्य करेंगे।

दीपक एडवरटाइजिंग को प्रसार भारती आकाशवाणी द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान

इंदौर। मध्यभारत की नं. 1 क्रिएटिव और मीडिया एजेंसी दीपक एडवरटाइजिंग को विविध भारती के मीडिया व्यवसाय में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रसार भारती (आकाशवाणी) द्वारा सम्मानित किया गया।यह अवार्ड एजेंसी को लगातार दो वर्षों से दिया जा रहा है।उल्लेखनीय है कि दीपक एडवरटाइजिंग मध्य भारत की एकमात्र INS, प्रसार भारती एवं CBC द्वारा मान्यता प्राप्त एजेंसी है और इंडियन रेलवे, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, अवंतिका गैस लि जैसे अन्य महत्वपूर्ण गवर्नमेंट क्लाइंट्स के साथ ही प्रसिद्ध कॉरपोरेट क्लाइंट्स को भी सेवाएं दे रही है। एमडी दीपक जेठा ने बताया कि एजेंसी अपनी स्त्रि5एटिव व डेडिकेटेड टीम, उत्कृष्ट सर्विसेज और क्लाइंट्स के अटूट विश्वास के कारण सदा सफलता के पथ पर अग्रसर रही है। गत माह ही बिग एफएम द्वारा भी रेडियो बिज़नेस में योगदान के लिए एजेंसी को बिग इंपैक्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया था । अवार्ड लेते हुए प्रकाश जेठा ब्रांच हेड दीपक एडवरटाइजिंग भोपाल ऑफिस ने भोपाल- इंदौर के सभी प्रमुख क्लाइंट्स का आभार माना। एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी सचिन उपाध्याय ने बताया कि दीपक एडवरटाइजिंग एजेंसी अब तक 191 नेशनल व इंटरनेशनल अवॉर्ड्स अपने नाम कर चुकी है, जिसमें 17 बार एजेंसी ऑफ़ द ईयर का अवॉर्ड शामिल है ।

40 लाख से बनने वाली सीसी रोड का विधायक सबनानी ने किया भूमिपूजन

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक भगवानदास सबनानी ने रविवार को वार्ड 28 में बनने वाली सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य के लिए भूमि पूजन किया। क्षेत्र के हर्षवर्धन नगर राहुल नगर चित्रगुप्त नगर की मुख्य सड़क पर सीसी रोड एवं नाली निर्माण का कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक सबनानी ने कहा कि क्षेत्र की जनता से जुड़ी हुई मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना हम जन प्रतिनिधियों का कर्तव्य है, और मैं इसके लिए संकल्पित हूं, क्षेत्र की जनता की सुविधाओं में वृद्धि हो और क्षेत्र के विकास के साथ ही उसकी सुंदरता में भी बढ़ोतरी हो यही मेरा उद्देश्य है, और इस सबके लिए मुझे आप लोगों का निरंतर सहयोग चाहिए, समय-समय पर आप लोगों द्वारा मुझे क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया जाता है जिसका निराकरण करने के लिए योजनाएं बनाकर काम किया जाता है, हमारे क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य किया जा रहे हैं और उनका निर्माण भी तेजी से किया जा रहा है। आने वाले समय में हमारे विधानसभा क्षेत्र में कई बड़ी योजनाएं भी आने वाली हैं जिससे क्षेत्र की जनता को उसका लाभ भी बहुत जल्द मिलेगा। इस अवसर पर भाजपा जिला कार्यालय प्रभारी राजू अनेजा करुणाधाम मंडल अध्यक्ष मुकेश देहाडे माता शबरी मंडल अध्यक्ष हेमंत बडगैया वरिष्ठ भाजपा नेता महेश जोशी लीलाधर यादव दिनेश भारती कौशल्या रजक पायल शिवहरे निधि चौरसिया राजेश सक्कू महावर दिनेश डोंगरे गोविंद वर्मा रमा शर्मा शीला तायडे सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मिसरोद स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचे रेलवे सलाहकार समिति सदस्य

भोपाल। रेल्वे सलाहकार समिति सदस्य निलेश कुमार श्रीवास्तव ने मिसरोद स्टेशन पर पहुंच कर स्टेशन का जायजा लिया। स्टेशन का अवलोकन कर स्टेशन स्तर पर आ रही यात्री समस्याओं को सुना सर्वप्रथम स्टेशन मास्टर अनिल दुबे से मिले। स्टेशन पहुंचने पर प्राप्त हुआ स्टेशन का कायाकल्प अमृत भारत योजना के माध्यम चल रहा है। यात्रियों व आमजन से सम्पर्क कर पाया की मिसरोद स्टेशन के आस पास लगभग 4-5 लाख लोगों की आबादी निवासरत है। स्टेशन पर कोई भी ट्रेन ना रुकने से विकास कार्य नहीं हो पा रहे है तथा रहने वाले आमजनों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। आमजनों ने स्टेशन पर मेल एक्सप्रेस ट्रेन का स्टॉपेज करवाने हेतू निवेदन किया है। निलेश श्रीवास्तव ने भी हर सम्भव सहायता करने का वादा किया। निरीक्षण कर निकलते ही निलेश श्रीवास्तव ने संबंधित डीआरएम कार्यालय को पत्र लिख कर समस्याओं से अवगत कराया द्य निरीक्षण करते समय ऋषि पाण्डेय, रवि शर्मा, राहुल बंसल, निखिल वर्मा, सिद्धांत यादव आदि भी उपस्थित रहे।

ई-केवायसी अनिवार्य, 30 अप्रैल तक जरूर करायें: मंत्री राजपूत

भोपाल। राशन लेने वाले सभी लाभार्थियों के लिए ई-केवायसी अनिवार्य कर दिया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि 9 से 30 अप्रैल तक प्रदेश में ई-केवायसी प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि कोई लाभार्थी 30 अप्रैल तक अपनी ई-केवायसी पूरी नहीं कराते हैं, तो उसे मई महीने से राशन मिलने में असुविधा हो सकती है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि हितग्राही 30 अप्रैल तक ई-केवायसी जरूर करायें। मंत्री श्री राजपूत ने जानकारी दी कि लाभार्थियों की सुविधा के लिए मेरा ई-केवायसी नामक मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है। इस ऐप के माध्यम से कोई भी लाभार्थी, चाहे वह वृद्ध, दिव्यांग या सामान्य व्यक्ति हो, घर बैठे अपनी और अपने परिजनों की ई-केवायसी कर सकता है। इसके लिए लाभार्थियों को अपने आधार नंबर और ओटीपी की आवश्यकता होगी। मंत्री श्री राजपूत ने सभी राशन लाभार्थियों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपनी और अपने परिवार के सभी सदस्यों की ई-केवायसी पूरी करवा लें। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया समय पर पूरी करना बहुत जरूरी है ताकि मई से राशन वितरण में रुकावट नहीं आए। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि राशन लेने वाले हितग्राहियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हर जिले के गांव और वार्ड स्तर पर ई-केवायसी शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में पीओएस मशीन के जरिए हितग्राहियों की अंगूठा लगाकर ई-केवायसी की जा रही है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि यह शिविर सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत राशन वितरण की प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी बनाने के लिए आयोजित किए जा रहे हैं।

एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं: दुबे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विजन को साकार करते हुए प्रदेश में आईटी और संबंधित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पहली सेक्टर आधारित टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग श्री संजय दुबे ने मध्यप्रदेश के उभरते एवीजीसी- एक्सआर (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग,कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी) ईकोसिस्टम विषय पर राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस- 3 को ब्रिलियेंट कन्वेशन सेंटर, इंदौर में संबोधित किया। उन्होंने एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र के उद्योपतियों ने इस क्षेत्र में मध्यप्रदेश की संभावनाओं/ निवेश पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र में मध्यप्रदेश में अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार इस क्षेत्र में निवेश और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। एसीएस श्री दुबे ने बताया कि प्रदेश में इस उद्योग के विकास के लिए अनुकूल माहौल हैं। प्रोजेक्ट डायरेक्टर एमपीएसईडीसी श्री गुरु प्रसाद, श्री आशीष कुलकर्णी, संस्थापक, पुन्नरीयुग आर्ट विजन प्राइवेट लिमिटेड, श्री मनीष राजोरिया, पर्पल टर्टल के सह-निर्माता, श्री रेन चिलका, संस्थापक - ग्रीन गोल्ड एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड सहित कई उद्योगपति/निवेशक उपस्थित थे। एसीएस श्री दुबे ने कहा कि 4 नई नीतियों के लिए गाइडलाइंस का अनावरण मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में कॉन्क्लेव के दौरान किया जाएगा। एसीएस श्री दुबे ने जानकारी दी कि जीआईएस- 2025 के दौरान की गई राज्य सरकार की प्रतिबद्धताएं अब धरातल पर उतरने लगी हैं। कई नई पहलें भी आज साकार होने जा रही हैं।

कक्षा एक से 12वीं तक 72 लाख से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन

भोपाल। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अब तक कक्षा एक से 12वीं तक लगभग 72 लाख 40 हजार से अधिक विद्यार्थी निर्धारित कक्षाओं में अपना नामांकन दर्ज करवा चुके हैं। वहीं कक्षा 5 उत्तीर्ण करने वाले लगभग 5 लाख विद्यार्थी कक्षा में 6 में तथा कक्षा 8 उत्तीर्ण करने वाले करीब 4 लाख 84 हजार से अधिक विद्यार्थी कक्षा 9 में प्रवेश ले चुके हैं। कक्षा एक से 8वीं तक में लगभग 59 लाख 66 हजार से अधिक एवं कक्षा 9 से 12वीं में 12 लाख 73 हजार से अधिक विद्यार्थी अभी तक नये शैक्षणिक सत्र वर्ष 2025-26 में प्रवेश ले चुके हैं। प्रदेश में एक अप्रैल से शुरू हुए नये शैक्षणिक सत्र में अब तक लगभग एक लाख 62 हजार से अधिक बच्चों का कक्षा एक में प्रवेश हो चुका है। इनमें से लगभग एक लाख से अधिक बच्चों के अभिभावकों ने उनका प्रवेश शासकीय विद्यालयों में कराया है। शेष करीब 35 हजार बच्चे निजी विद्यालयों की कक्षा एक में प्रवेश ले चुके है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष तक स्कूल चलें हम अभियान का संचालन जून माह में किया जाता था जिसे इस वर्ष मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में एक अप्रैल से ही संचालित किया गया है।

प्रदेश में सरकारी नौकरियों के लिए भर्ती नियमों में बदलाव, बार-बार नहीं देनी होगी परीक्षा

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

मध्यप्रदेश में सरकारी नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए भर्ती प्रक्रियाओं में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब मप्र लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन मंडल सालभर में सीमित परीक्षाएं आयोजित करेंगे। एमपीपीएससी की परीक्षाएं 23 से घटकर 10 और एमपीईएसबी की 28 से घटकर मात्र 6 रह जाएंगी। सरकार ने तय किया है कि हर साल एक स्थाई भर्ती कैलेंडर जारी किया जाएगा। 2026 का पहला कैलेंडर सितंबर 2025 में आएगा। इसके बाद कोई बदलाव नहीं होगा। सभी विभागों से एक बार में पदों की मांग ली जाएगी और उसी के आधार पर परीक्षा होगी। संघ लोक सेवा आयोग की तरह, अब स्क्क में भी साल में एक ही परीक्षा होगी। एक ही मेरिट सूची तैयार की जाएगी, जिसमें सभी श्रेणियों के अभ्यर्थी शामिल होंगे। चयन सूची के साथ प्रतीक्षा सूची भी एक बार बनेगी, जिससे खाली पदों पर तेजी से नियुक्ति संभव होगी। अब हर श्रेणी (जैसे इंजीनियरिंग, शिक्षा, प्रशासन) के लिए एक साझा परीक्षा होगी। अभ्यर्थी आवेदन करते समय अपने पसंदीदा विभागों की च्वाइस देंगे। चयन मेरिट के आधार पर होगा और अगर कोई अभ्यर्थी किसी पद को छोड़ता है, तो प्रतीक्षा सूची से दूसरे अभ्यर्थी को मौका मिलेगा। नई व्यवस्था में भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन और पारदर्शी होगी। नियम, विज्ञापन, परीक्षा का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाएगा। इससे कोर्ट में विवाद और प्रक्रियाओं पर रोक लगने की संभावनाएं भी कम हो जाएंगी।

जनवरी 2026 से नई व्यवस्था लागू होगी

सामान्य प्रशासन विभाग मध्यप्रदेश के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे के मुताबिक सीएम मोहन यादव की मंशा है कि भर्ती प्रक्रिया समय पर और निष्पक्ष हो। इसलिए नए नियमों का मसौदा लगभग तैयार है और कैबिनेट में मंजूरी के बाद जनवरी 2026 से इसे लागू किया जाएगा।

अब सभी विभागों के भर्ती नियम होंगे एक जैसे

अब सभी विभागों के सरकारी भर्ती नियम एक जैसे होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग एक मॉडल नियम बनाएगा, जिससे विज्ञापन जारी करने में देरी नहीं होगी और परीक्षा एजेंसियों को भी प्रक्रिया सरल रहेगी।

दो से ढाई लाख पदों पर होगी भर्ती

इसके साथ ही सरकारी नौकरी की राह देख रहे प्रदेश के युवाओं के लिए भी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अगले दो-तीन वर्षों में मध्यप्रदेश सरकार दो से ढाई लाख पदों पर भर्तियां करने जा रही है। रिक्त पदों के साथ पदोन्नति से खाली हुए पदों को भी भरा जाएगा। नए नियमों से इस प्रक्रिया में तेजी और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी।

विश्व बैंक की रिपोर्ट ने लगाई मुहर

समृद्धि की ओर बढ़ता प्रदेश, एमपी बना गरीबी हटाने में अग्रणी राज्य

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

भारत ने गरीबी उन्मूलन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में अत्यधिक गरीबी का स्तर 2011-12 में जहां 16 प्रतिशत था, वह 2022-23 में घटकर मात्र 2.3 प्रतिशत रह गया है। इससे संकेत मिलता है कि बीते दशक में करीब 17.1 करोड़ लोग अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा (2.15 डॉलर प्रतिदिन की क्रय शक्ति समता) से ऊपर उठ चुके हैं। मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे प्रमुख राज्यों में गरीबी में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। मध्यप्रदेश में वर्ष 2011-12 में जहां 65 प्रतिशत लोग अत्यधिक गरीबी में जीवन यापन कर रहे थे, वहीं 2022-23 तक यह आंकड़ा दो-तिहाई तक घट चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और जनकल्याणकारी नीतियों का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री के समावेशी विकास के विजन ने युवाओं, किसानों, महिलाओं और कमजोर वर्गों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। डॉ. यादव ने आगे कहा कि मध्यप्रदेश ने गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में अग्रणी प्रदर्शन किया है और राज्य सरकार निरंतर सामाजिक व आर्थिक सुधारों पर काम कर रही है।

रोज़गार के मोर्चे पर भी सकारात्मक संकेत

शहरी बेरोजगारी दर में भी सुधार देखा गया है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में यह घटकर 6.6 प्रतिशत हो गई है, जो कि 2017-18 के बाद का सबसे न्यूनतम स्तर है। वहीं, महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी और स्वरोजगार के अवसरों में वृद्धि भी दर्ज की गई है। हालांकि, युवा बेरोजगारी की चुनौती अब भी बनी हुई है, खासकर उच्च शिक्षित युवाओं के बीच, जहां यह दर 29 प्रतिशत तक पहुंच गई है। फिर भी, समग्र आर्थिक संकेतक देश के सतत विकास की ओर इशारा कर रहे हैं।

प्रदेश में किसी प्रकार का जिहाद या लव जिहाद बर्दाश्त नहीं: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सुशासन के लिए जाना जाता है, इसलिए यहां अपराध और अपराधी के लिए कोई जगह नहीं है। जो अपराध करेगा उसे दण्ड मिलेगा, हमारी सरकार प्रदेश की धरती पर किसी प्रकार के जिहाद या लव जिहाद को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जो हमारी धरती पर इस प्रकार के कृत्यों में लिप्त पाया जाएगा उसे छोडेंगे नहीं, वह राज्य के अंदर हो या राज्य से बाहर भागा हो, हमारी पुलिस उसे हर जगह से पकड़ कर लाएगी। यह हमारा संकल्प है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को जारी संदेश में यह बात कही।

डीजीपी के सैल्यूट आदेश को लेकर भाजपा मीडिया प्रभारी का प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी पर पलटवार

कहा - सैल्यूट अनुशासन और आदर की अभिव्यक्ति

भोपाल। डीजीपी के सेल्यूट आदेश को लेकर भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने प्रदेश कांगस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि सैल्यूट अनुशासन और आदर की अभिव्यक्ति है। सोशल मीडिया में आशीष अग्रवाल द्वारा जीतू पटवारी को संबोधित पोस्ट में आशीष ने कहा है कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि का सम्मान, उन्हें चुनने वाली जनता का सम्मान होता है। यह तथ्य कांग्रेस जैसे दल के नेताओं के लिए समझना कठिन हो सकता है, जो राजशाही, सामंतवाद या परिवारवाद के सिद्धांतों पर विश्वास रखते हैं। मैं आपको यह बताना चाहता हूँ कि पुलिस विभाग द्वारा जारी यह आदेश कोई नया आदेश नहीं है। यह 1950 से निरंतर चल रही सरकारी प्रक्रिया का हिस्सा है, इसमें उचित सम्मान का उल्लेख किया गया है। सैल्यूट अनुशासन और आदर की अभिव्यक्ति है। प्रत्येक अधिकारी को सैल्यूट के महत्व का बोध होना चाहिए। यह उच्च अधिकारी के प्रति अभिनंदन का तरीका है और न कि चापलूसी। यह अनुशासन और आदर की आंतरिक भावना की बाहरी अभिव्यक्ति है। जब एक व्यक्ति सैल्यूट देता है, तो यह उस अधिकारी के प्रति सम्मान और पालन की भावना को प्रकट करता है। सैल्यूट, एक सामान्य अभिवादन के रूप में होता है, जो अनुशासन का बुनियादी प्रतीक है। जब एक अधीनस्थ, वरिष्ठ अधिकारी से मिलता है, तो सैल्यूट देना कर्तव्य और सम्मान की भावना को दर्शाता है। देश का हर नागरिक जानता है कि कांग्रेस पार्टी का अपराध से गहरा नाता है। कांग्रेस ने राजनीति में अपराध को संस्थागत रूप से बढ़ावा दिया है।

सौर ऊर्जा से अब किसान होंगे बिजली में आत्मनिर्भर: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अगले आठ दिन में प्रदेश के विभिन्न जिलों में लगेंगे उन्नत कृषि पर केंद्रित मेले

सांध्य प्रकाश संवाददाता भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में अगले 8 दिनों में उन्नत कृषि पर केंद्रित मेले आयोजित किए जाएंगे। किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से यह मेले उन्नत तकनीक और बीज, आधुनिकतम उपकरणों व अन्य संसाधनों, शासन की योजनाओं की जानकारी के साथ कृषि उद्यानिकी आदि के बेहतर प्रबंधन पर केंद्रित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से सौर पंप संचालन के लिए कुसुम सी योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने का आहवान भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को जारी संदेश के माध्यम से यह अपील की। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि वर्तमान में बिजली के बिना खेती संभव नहीं है। राज्य सरकार कृषकों को बिजली में आत्मनिर्भर करने जा रही है। किसान अपनी बिजली स्वयं बनाएं, इस उद्देश्य से कुसुम सी योजना का व्यापक क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। किसानों को बिजली सब्सिडी के माध्यम से सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। यह एक तरह से किसान के जीवन में सरकार की ओर से बड़ी मदद होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि पंपों को सौर ऊर्जा से चलाने के लिए सौर पंप स्थापित करने में किसानों को सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सौर पंप की कीमत की दस प्रतिशत राशि से बुकिंग के लिए पंजीयन खोला गया है। प्रदेश में तीन हॉर्स पॉवर तक के सौर पंपों का पंजीयन आरंभ किया गया है। इसी प्रकार 5 लाख रुपए तक के पंप के लिए किसान से मात्र 50 हजार रुपए लेकर बाकी 4 लाख 50 हजार रुपए की सरकार द्वारा गारंटी लेकर किसानों को पंप उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार इस योजना में लगभग एक लाख किसानों का पंजीयन करने जा रही है। पूर्व में भी कृषकों द्वारा योजना में पंजीयन कराया गया था। पूर्व में हुए पंजीयन के प्रकरणों में पहले पंप उपलब्ध कराए जाएंगे। उसके बाद नवीन पंजीकृत कृषकों को पंप उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस योजना से किसान बिजली के मामले में आत्मनिर्भर होंगे और उनकी प्रगति के द्वार खुलेंगे। किसानों की बेहतरी के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने डायबीटिक फुट कार्यशाला का किया शुभारंभ

विकसित भारत का सपना लोगों के स्वस्थ रहने पर ही साकार होगा: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने रीवा में आयोजित तीसरी डायबीटिक फुट कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रीवा मेडिकल हब बनने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। बाहर जाने वाले लगभग पचास प्रतिशत जटिल रोगी अब रीवा में ही इलाज करा रहे हैं। विकसित भारत का सपना लोगों के स्वस्थ होने पर ही साकार होगा। चिकित्सा के क्षेत्र में लगातार अनुसंधान से नई तकनीकों से अधिक कारगर उपचार सुविधाएं विकसित हो रही हैं। इस तरह के आयोजनों से चिकित्सकों को आपस में संवाद करने और अपने ज्ञान को बेहतर करने का अवसर मिलता है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि खान-पान की आदतों और जीवनशैली के कारण डायबिटीज का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। इसके कारण पैरों में कई तरह की जटिलता आती हैं और कई बार पैर काटने पड़ते हैं। यह कार्यशाला लोगों को जागरूक करने और रीवा में डायबीटिक फुट की प्रभावी उपचार व्यवस्था बनाने में सहायक सिद्ध होगी। कार्यशाला में चिकित्सकों ने समर्पण के भाव से जो संवाद किया है उसके सुखद परिणाम निकलेंगे। कार्यशाला से सामने आए तथ्यों को लागू करने के लिए कार्ययोजना बनाकर प्रयास करें। हम समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक स्वस्थ भारत का संदेश पहुंचाएंगे। रीवा में चिकित्सा के क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। शीघ्र ही दो सौ बेड का कैंसर अस्पताल शुरू हो रहा है। इसमें कैंसर के उपचार के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर और आधुनिकतम मशीनें रहेंगी। सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल की सुविधाओं को भी लगातार बेहतर किया जा रहा है। आयुष्मान कार्ड योजना से उपचार कराने में भी रीवा प्रदेश में सबसे आगे हैं। कार्यशाला में इंडियन कोडायट्री एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ एपी सूरी ने कहा कि 2009 में संस्था का गठन किया गया। डायबिटीज के कारण पैरों में कई तरह की समस्याएं आती हैं। इनका समय पर इलाज न होने पर पैर काटने तक की नौबत आ जाती है। संस्था का मुख्य उद्देश्य डायबिटिक फुट के उपचार की सुविधाएं मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिला स्तर पर उपलब्ध कराने की है। हम दो साल तक यदि जागरूकता अभियान चलाएं तो मध्यप्रदेश को पाँच साल में डायबिटिक फुट के रोग से मुक्त कर देंगे। समारोह में कार्यशाला के संयोजक तथा पूर्व डीन डॉ मनोज इंदुलकर ने कहा कि उप मुख्यमंत्री के विशेष प्रयासों से रीवा में चिकित्सा सेवाओं में तेजी से विस्तार हो रहा है। रीवा में 24 और 25 अक्टूबर को डायबिटीज पर नेशनल कान्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने नवीन सर्किट हाउस भवन का किया निरीक्षण

भोपाल। नवीन रीवा सर्किट हाउस भवन का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। शीघ्र ही इसके लोकार्पण कराए जाने की संभावना है। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने नवीन सर्किट हाउस भवन का निरीक्षण किया तथा इसके लोकार्पण के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने रीवा शहर में चल रहे निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा भी की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, कलेक्टर प्रतिभा पाल तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

‘आतंकिस्तान’ का कबूलनामा, आतंकी संगठन सक्रिय रहे

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने रहस्योद्घाटन किया है कि पाकिस्तान पिछले तीन दशकों से अमरीका, ब्रिटेन और पश्चिमी देशों के लिए आतंकवाद जैसा ‘गंदा धंधा’ कर रहा था। हमने आतंकियों को पालने-पोसने, टेऊनिंग देने और पैसा देने का काम किया है। जाहिर है कि पाकिस्तान में आतंकी संगठन सक्रिय रहे हैं। हमने बहुत बड़ी गलती की है, जिसका खामियाजा हमने भुगता है। हमने सोवियत संघ के खिलाफ 1980 और 90 के दशक में और फिर न्यूयॉर्क में 9/11 आतंकी हमले के बाद अमरीका का सहयोग नहीं किया होता, तो आज हमारा ‘टैऊक रिकार्ड’ (आतंकवाद के मामले में) कहीं बेहतर होता! पाक रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया है कि अफगानिस्तान में अमरीका ने सोवियत संघ के खिलाफ जंग में आतंकियों को खुलकर समर्थन दिया था।’ बहरहाल सोवियत संघ का अस्तित्व खत्म हो चुका है। अमरीकी सेनाओं के अफगानिस्तान को छोड़ कर गए कई साल गुजर चुके। जो तालिबान वैश्विक पटल पर ‘आतंकवादी’ थे, वे आज अफगानिस्तान में हुकूमत कर रहे हैं, लेकिन आज अफगानिस्तान पाकिस्तान को ‘नंबर 1 दुश्मन’ मानता है और सरहद पर लड़ाई जारी है। वैसे तो पाकिस्तान के रक्षा मंत्री की कीमत दो टके की है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके कबूलनामे को मान्यता दी जाएगी। उन्होंने अमरीका के ‘स्काई टीवी’ के एक लाइव शो में यह कबूला है कि पाकिस्तान आतंकियों का मुल्क है।

बहरहाल पाकिस्तान के मौजूदा हालात के मद्देनजर यह ‘नंगई वाला बयान’ है। अफगानिस्तान में लडने् के बाद पाकिस्तान के आतंकियों और उनके आकाओं को एहसास हुआ कि वे भारत के खिलाफ जेहाद का इस्तेमाल कर सकते हैं, लिहाजा 90 के दशक से वर्ष 2000 तक दुनिया में जहां भी आतंकी हमले हुए, वहां पाकिस्तान की मौजूदगी और उसके सबूत पाए गए। भारत में भी जेहाद की आड़ में पाकपरस्त आतंकवाद और कश्मीर में अलगाववाद 90 के दशक में ही पनपे और फैलते गए। पाकिस्तान में आतंकियों को जेहादी ही नहीं, मुल्क के नायक और स्वतंत्रता सेनानी तक माना जाता रहा है। जिन आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में नरसंहार किया था, पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इसहाक डार उन्हें भी ‘स्वतंत्रता सेनानी’ मान रहे हैं। फिर वह संभावना जताने लगते हैं। चूंकि पाकिस्तान ‘फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स’ (फाट्फ) को लिखित आश्वासन दे चुका है कि उनके मुल्क में आतंकी मौजूद नहीं हैं और न ही हुकूमत आतंकी संगठनों को पैसा और पनाह देती है। पहलगाम नरसंहार के बाद पाकिस्तान में जो खलबली मची है, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे आतंकी संगठनों के मुख्यालयों में स्थित मस्जिदें और मदरसे खाली कराए गए हैं। करीब 200 एकड़ में फैले लश्कर के मदरसों में पढने् वाले करीब 2000 छात्र और मौलवी-मौलाना वहां से चले गए हैं। आतंकियों और छात्रों-मौलानाओं को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है। पाकिस्तान में ऐसा किस खौफ और संभावित हमले के मद्देनजर किया गया है? खबर तो यह भी है कि लश्कर के सरगना हाफिज सईद को एबटाबाद के ‘आईएसआई सेफ हाउस’ में रखा गया है। इसी इलाके में अलकायदा का सरगना ओसामा बिन लादेन छिपा था, जहां अमरीका के कमांडो सैनिकों ने उसे ढेर किया था।

श्रीमंत बाजीराव पेशवा का जन्म 18 अगस्त 1700 में हुआ था। उनके पिता बालाजी भी पेशवा थे। माता राधा बाई भी कुशल ग्रहणी और युद्ध कला में निपुण थीं। इस प्रकार वीरता और कौशल के संस्कार उन्हे जन्म से मिले थे। बाजीराव बचपन से गंभीर धैर्यवान और साहसी थे। उन्होंने बाल वय में ही घुड़सवारी, तीरन्दाजी, तलवार भाला, बनेठी, लाठी आदि चलाना सीख ली थी। वे मात्र बारह वर्ष की आयु से ही अपने पिता के साथ युद्ध में जाने लगे थे। सैनिकों का कौशल देखना और घायलों की सेवा करना उनके स्वभाव में था। वे पिता के साथ दरवार भी जाते थे। इससे दरबार की गरिमा और राजनीति में निपुण हो गये थे। अभी उन्होंने अपनी आयु के उन्नीस वर्ष ही पूरे किये और बीसवां वर्ष आरंभ ही हुआ था कि पिता का निधन हो गया।

सेनानायक बाजीराव पेशवा का पूरा जीवन युद्ध में बीता

मराठा साम्राज्य को विस्तार देने वाले सुप्रसिद्ध सेनानायक

रमेश शर्मा

पिछले डेढ़ हजार वर्षों में पूरे संसार का स्वरूप बदल गया है। 132 देश एक राह पर, 57 देश दूसरी राह पर और अन्य देश भी अपनी अलग-अलग राहों पर हैं। इन सभी देशों उनकी मौलिक संस्कृति के कोई चिन्ह शेष नहीं किंतु हजार आक्रमणों के बाद यदि भारत में उसका स्वरूप है जो उसके पीछे बाजीराव पेशवा जैसी महान विभूतियों का बलिदान है। जिससे आज भारत का स्वत्व प्रतिष्ठित हो रहा है। ऐसे महान यौद्धा का आज 28 अप्रैल को निर्वाण दिवस है। उनका पूरा जीवन युद्ध में बीता। वे अपने सैन्य अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश के मालवा क्षेत्र में थे। यहीं स्वास्थ्य बिगड़ा और उनका निधन हो गया। तब उनकी आयु मात्र उन्नीस वर्ष के थे, बीसवाँ वर्ष आरंभ किया ही था। कि उनके पिता पेशवा बालाजी राव का निधन हो गया और मराठा साम्राज्य के अधिपति छत्रपति शाहूजी महाराज ने पेशवाई का दायित्व इन्हें सौप दिया। उन्होंने 1720 में पेशवाई संभाली और बीस वर्ष का पूरा कार्यकाल केवल युद्ध में बीता। उन्होंने अपने जीवन में कुल 43 युद्ध कियै। और सभी में विजयी रहे। यदि उनके मार्ग में हुईं छोटी बड़ी झड़पों के युद्धों को भी जोड़ा जाये तो यह संख्या 54 तक होती है। उन्होंने प्रत्येक युद्ध जीता। वे किसी युद्ध में नहीं हारे।

श्रीमंत बाजीराव पेशवा का जन्म 18 अगस्त 1700 में हुआ था। उनके पिता बालाजी भी पेशवा थे। माता राधा बाई भी कुशल ग्रहणी और युद्ध कला में निपुण थीं। इस प्रकार वीरता और कौशल के संस्कार उन्हे जन्म से मिले थे। बाजीराव बचपन से गंभीर धैर्यवान और साहसी थे। उन्होंने बाल वय में ही घुड़सवारी, तीरन्दाजी, तलवार भाला, बनेठी, लाठी आदि चलाना सीख ली थी। वे मात्र बारह वर्ष की आयु से ही अपने पिता के साथ युद्ध में जाने लगे थे। सैनिकों का कौशल देखना और घायलों की सेवा करना उनके स्वभाव में था। वे पिता के साथ दरवार भी जाते थे। इससे दरबार की गरिमा और राजनीति में निपुण हो गये थे। अभी उन्होंने अपनी आयु के उन्नीस वर्ष ही पूरे किये और बीसवां वर्ष आरंभ ही हुआ था कि पिता का निधन हो गया। शाहूजी महाराज ने किशोर वय से बाजीराव की प्रतिभा देखी थी अतएव उन्होंने बाजीराव को इसी आयु में पेशवा कि दायित्व सौंप दिया। उन्होंने एक प्रकार से अल्प आयु में इतना महत्वपूर्ण दायित्व संभाला था। किन्तु अपनी असाधारण क्षमता और योग्यता से हिन्दु पदपादशाही की साख पूरे भारत में प्रतिष्ठित की। अपनी दूरदर्शिता, अद्भुत रण कौशल, सटीक निर्णय और अदम्य साहस से मराठा साम्राज्य का भारत भर मे विस्तार किया। वे श्रीमंत शिवाजी महाराज की भांति ही कुशल रणनीतिकार और यौद्धा थे। वे घोड़े पर बैठे-बैठे और चलती हुई सेना के बीच भी रणनीति बना लेते थे। घोड़ा भले थके पर वे नहीं थकते थे। घोड़ा यदि थकता था तो वे घोड़ा बदल लेते थे। भागते हुये घोड़े पर बैठे उनके भाले की फेंक इतनी तीव्र होती थी कि शत्रु अपने घोड़े सहित घायल होकर धरती पर गिर पड़ता था।

श्रीमंत बाजीराव ने जब पेशवा दायित्व संभाला तब दक्षिण भारत में तीन प्रकार की चुनौतियाँ थीं। मुगलों के साथ-साथ अंग्रेजों व पुर्तगालियों के अत्याचारों का भी बोलबाला था। भारतीय जनों और भारतीय गरिमा के प्रतीक देवस्थान तोड़े जा रहे थे। भय और लालच से पंथ परिवर्तन की तो मानो स्पर्धा चल रही थी। महिला और बच्चों के शोषण की नयी नयी घटनायें घट रहीं थीं। ऐसे विपरीत वातावरण में श्रीमन्तबाजीराव ने पहले दक्षिण भारत में भारतीय जनों को ढाढ़स दिया फिर उत्तर की ओर रुख किया। उनकी विजय वाहनी ने ऐसा वातावरण बनाया जिससे पूरे भारत में भारतीय भूमि पुत्रों का आत्मविश्वास जागा। बाद के वर्षो में यदि ग्वालियर, इंदौर बड़ौदा आदि में मराठा राज्य स्थापित हुये और दिल्ली की मुगलसल्तनत को सीमित किया जा सकता तो इसकी नींव श्रीमन्तबाजीराव पेशवा ने रखी थी। उन में शिवाजी महाराज जैसी ही वीरता व पराक्रम और चरित्र था।

उनके प्रमुख अभियानों में मुबारिज़ खाँ को पराजित कर मालवा और कर्नाटक में प्रभुत्त्व स्थापित किया। पालखेड़ के युद्ध में निजाम को पराजित कर उससे राजस्व और सरदेशमुखी वसूली। फिर मालवा और बुन्देलखण्ड में मुगल सेना नायकों पर विजय प्राप्त की। फिर मुहम्मद खाँ बंगश को परास्त किया। दभोई में त्रिम्बकराव के आन्तरिक विरोध का दमन किया। सीदी, आंग्रिया तथा पुर्तगालियों एवं अंग्रेजो को भी बुरी तरह पराजित किया। 1737 में उन्होंने दिल्ली अभियान किया। उनका मुकाबला करने एक लाख की फौज लेकर वह सआदत अली खान सामने आया। मुगलों ने पीछे से निजाम हैदराबाद को बुलाया। उनकी रणनीति थी कि सामने से सआदत खान एक लाख की सेना से और पीछे से निजाम हमला बोले। पर बाजीराव पेशवा उनकी चाल समझ गये। उन्होने सआदत को युद्ध में उलझाया और चकमा देकर दिल्ली पहुँच गए जबकि चिमाजी अप्पा ने अपनी दस हजार की फौज से निजाम को मालवा में रोक लिया। बाजीराव अभी दिल्ली में लाल किले के सामने पहुँचे ही थे मुगलों में दहशत फैल गई। मुगल बादशाह मोहम्मद शाह जो छुप गया और खजाना बाजीराव पेशवा के सुपुर्द कर दिया। पेशवा के दिल्ली जाने की खबर सआदत खान को लगी वह दिल्ली की ओर लौटने लगा। बाजीराव रास्ता बदलकर पुणे की ओर लौट पड़े। तब बादशाह मोहम्मद शाह ने साआदत अली खान को संदेश भेजा कि वह निजाम हैदराबाद के साथ मिलकर बाजीराव को रास्ते में ही घेर ले। इन दोनों ने नबाब भोपाल की मदद लेकर भोपाल के पास सिरोंज से दोराहे के बीच मोर्चाबंदी कर ली। बाजीराव इसी मार्ग से लौट रहे थे। इन तीनों सेनाओं से मराठा सेना का आमना सामना हुआ। सेना कम होने के बाद बाजीराव जीते। युद्ध का खर्चा बसूल किया। यह संधि दोराहे संधि के नाम से इतिहास में प्रसिद्ध है। इसमें मराठों को पूरे मालवा में राजस्व बसूलने का अधिकार मिला। इससे मराठों का प्रभाव सम्पूर्ण भारत में स्थापित हो गया।

1739 में उन्होनें नासिरजंग को हराया। अमेरिकी इतिहासकार बर्नार्ड माण्टोगोमेरी ने बाजीराव पेशवा भारत के इतिहास का सबसे महानतम सेनापति बताया है और पालखेड़ युद्ध में जिस तरीके से उन्होंने निजाम को पराजित किया वह केवल बाजीराव ही कर सकते थे। श्रीमंत बाजीराव और उनके भाई चिमाजी अप्पा ने बेसिन के लोगों को पुर्तगालियों के अत्याचार से भी बचाया। उन्होंने सेना में ऐसे युवा सरदारों की टोली तैयार की जिन्होंने आगे चलकर भारत की धरती पर नया इतिहास बनाया। इनमें मल्हारराव होलकर, राणोजीराव शिन्दे शामिल थे जिन्होंने आगे चलकर इंदौर और ग्वालियर में हिन्दवी साम्राज्य की शाखा स्थापित की। अपने इसी विजय अभियान के अंतर्गत वे महाराष्ट्र वापस लौट रहे थे कि मार्ग में उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया और वे मध्यप्रदेश के खरगोन में कुछ विश्राम को रुके और वहीं 28 अप्रैल 1740 में उन्होने दुनियाँ से बिदा ले ली। नर्मदा किनारे वहीं उनका अंतिम संस्कार किया गया। उस स्थान पर समाधि बनी है। वहाँ आज भी प्रतिदिन सैंकड़ो लोग अपने प्रिय पेशवा को श्रृद्धाँजलि अर्पित करने जाते हैं। बाजीराव जी भगवान शिव के उपासक थे। बाद में इंदौर की महारानी अहिल्याबाई ने वहाँ शिव लिंग की स्थापना की। जो आज भी है। उन्होंने दो विवाह किये थे। पहली पत्नी काशीबाई और दूसरी पत्नि देवी मस्तानी थीं। उनके बाद उनके पुत्र बालाजी बाजीराव ने आगे चलकर पेशवा का दायित्व संभाला। और अपने पिता के अधूरे काम को इसे बढ़ाया।

पहलगाम में मजहबी आतंक का सबसे बर्बर चेहरा

ललित गर्ग

जम्मू-कश्मीर में स्थित पहलगाम, जिसे ‘मिनी स्विट्जरलैंड’ के नाम से जाना जाता है, मंगलवार को एक भीषण, दर्दनाक एवं अमानवीय आतंकी हमले का गवाह बना, एक बार फिर जिहादी आतंक का घिनौना-बर्बर चेहरा दिखा। आतंकियों ने पहलगाम में निर्दोष-निहत्थे पर्यटकों की जिस तरह पहचान पता करके गोलियां बरसाईं, उससे यही पता चलता है कि वे केवल खौफ ही नहीं पैदा करना चाहते थे, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों का खून बहाकर दुनिया का ध्यान भी खींचना चाहते थे। यह आतंकवाद एवं सांप्रदायिक घृणा का अब तक का सबसे घिनौना एवं बर्बर हमला एवं चेहरा है, जिसमें हिन्दू सुनकर चलाई गोलियां। जो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मूल एजेंडे का हिस्सा है। इस जघन्य एवं त्रासद घटना में निर्दोष पर्यटकों को तब मौत की गहरी नींद सुलाया गया, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति भारत में हैं और भारतीय प्रधानमंत्री सऊदी अरब में। इस हमले ने यह प्रकट किया कि कश्मीर में बचे-खुचे आतंकी किसी भी सीमा तक गिरने पर आमादा हैं। आतंकियों ने उन पर्यटकों को निशाना बनाया, जो कश्मीरियों की रोजी-रोटी को ही सहारा देने कश्मीर गए थे। यह हमला इतना वीभत्स था कि उसने हर संवेदनशील दिल को झकझोर कर रख दिया। आतंकियों ने नृशंसता की सारी सीमाएं पार करते हुए अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 28 पर्यटक, जिनमें दो विदेश नागरिक भी थे, की दर्दनाक मौत हो गई।

हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन ‘द रेजिस्टेंस फ्रंट’ (टीआरएफ) ने ली है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हमलावरों ने दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग से होते हुए किश्तवाड़ के रास्ते बैसरन तक पहुंच बनाई। घटना दोपहर करीब तीन बजे की है, जब बैसरन के घास के मैदान और आसपास के इलाकों में भारी संख्या में पर्यटक मौज-मस्ती कर रहे थे, कुछ खच्चरों की सवारी का आनंद ले रहे थे तो कुछ परिवार पिकनिक मना रहे थे। तभी घात लगाए बैठे आतंकियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस घटना के लिये सीधे तौर पर पाकिस्तान जिम्मेदार है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि चंद दिन पहले ही पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर ने किसी जिहादी की तरह हिंदुओं और भारत के खिलाफ अपनी घृणा का भद्दा प्रदर्शन किया था। अबू मूसा का वह भाषण और उसके तुरंत बाद हुआ पहलगाम नरसंहार दर्शाता है कि पीओके में बैठे आतंकी सरगना न केवल भारत विरोधी जहरीला प्रचार फैला रहे हैं, बल्कि कश्मीर घाटी की शांति, विकास एवं सौहार्द को बाधित करने की हर कोशिश को सफल बनाने में जुटे हैं। वे आगामी समय में घाटी को फिर से अशांत करने की योजना पर भी काम कर रहे हैं।

लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर पहलगाव में आतंकियों ने पूरे देश में आक्रोश की लहर पैदा करने वाली घटना को अंजाम दिया है। अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद पहली बार कश्मीर में इतना बड़ा आतंकी हमला हुआ है। आतंकियों और उनके समर्थकों को करारा जवाब दिया जाना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है। पहलगाम में आतंकी हमले की गंभीरता इससे प्रकट होती है कि जहां गृहमंत्री अमित शाह आनन-फानन श्रीनगर के लिए रवाना हुए, वहीं सऊदी अरब गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी यात्रा बीच में छोड़कर दिल्ली आ गये। दिल्ली आते ही एयरपोर्ट पर ही एक मीटिंग की, जिसमें अजित डोभाल से गंभीर मंत्रणा के बाद इस आतंकवादी घटना के खिलाफ एक्शन लेना प्रारंभ कर दिया। मोदी एवं शाह के एक्शन से उम्मीद बंधी है कि इस बार कुछ निर्णायक होगा। पहलगाम की सुंदर घाटी को रक्त रंजित करने के लिये आतंकवाद का जिन्न भले ही निकल आया हो, लेकिन इस बार निर्दोष एवं बेकसूर लोगों का रक्त व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। यह हमला पाकिस्तान की बौखलाहट का नतीजा है, उसी के इशारे पर किया गया। यह मानने के पुख्ता एवं पुष्ट कारण हैं कि पाकिस्तान सुलगते बलूचिस्तान से दुनिया का ध्यान हटाना चाहता है और उसे यह रास नहीं आ रहा कि कश्मीर में स्थितियां तेजी से सामान्य होती जा रही हैं। भारत को पाकिस्तान के शैतानी इरादों के प्रति और अधिक सतर्क रहना चाहिए था। वह न पहले भरोसे लायक था और न अब। अब आतंकियों को शह और सहयोग देने वाले पाकिस्तान को निर्णायक रूप से सबक सिखाया जाना ज्यादा जरूरी हो गया है।

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक बड़ी जीत बनी है, जिससे भी पाकिस्तान भयभीत बना। मुंबई सहित देश के अन्य हिस्सों और विशेषतः जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले की पूरी प्लानिंग के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई व उसकी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी संगठनों का हाथ न केवल था, बल्कि आर्थिक एवं अन्य तरह का सहयोग भी शामिल है। पहलगाम की ताजा घटना हो या बार-बार होने वाली आतंकी घटनाएं तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इन हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम पाकिस्तान का पूरा सच देश एवं दुनिया के सामने आने का डर पाकिस्तान को सता रहा था, तभी उसने इस पहलगाम की घटना को अंजाम दिया। लेकिन अब हद हो गयी। अब एक साथ कई मोर्चे पर आतंकवाद के खिलाफ कमर कसनी होगी, अब भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का असली बड़ा काम यहां से शुरू करना होगा। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीमा पार यानी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से लड़ने में भारत का साथ देने का संकल्प एकबार फिर दोहराया है, इसी तरह रूस भी भारत के साथ है। अनेक देशों ने भारत की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हर तरह से सहयोग का वादा किया है। अब समय आ गया है पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाने एवं उसके विध्वसंक एवं विनाशकारी मनसूबों को नेस्तनाबूंद करने का।

तीन दशकों से कश्मीर घाटी दोषी और निर्दोषी लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी रही है। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से वहां शांति एवं विकास का अपूर्व वातावरण बना है, यही पाकिस्तान को रास नहीं आ रहा है। कश्मीर सहित समूची दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने का नेतृत्व करके मोदी एक और करिश्मा घटित करने को तत्पर होना भी पाकिस्तान के लिये बड़ी चुनौती बना है, पहलगाव जैसी घटनाएं उनके इरादों को कमजोर नहीं, बल्कि बलशाली ही बनाती है। अब कश्मीर में आतंक का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होना ही चाहिए। दुनिया के शक्तिसंपन्न राष्ट्र भी मंथन करें आतंक रूपी विष और विषमता को समाप्त करने का, शांतिपूर्ण दुनिया निर्मित करने का।

आतंक से जो जन्मती है, वह संस्कृति नहीं होती है, उसमें पाशविकता होती है, उसमें जानवर विद्यमान होते हैं। ऐसे व्यक्ति, संगठन एवं देश किसी के प्रिय नहीं हो सकते, वे मानवता को त्राण नहीं, संत्रास देते हैं। लगातार हो रहे इन हमलों के बाद भी हिन्दू समुदाय शांति और करुणा की ही बात करता आया है। पर एक बड़ा सवाल ये है कि आखिर कब तक यह सिलसिला चलेगा? भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत के बढ़ते कदमों को रोकने के लिये पाकिस्तान आतंकी संगठन और आतंक का सहारा ले रही हैं। भारत सरकार की नीति, सशक्त सुरक्षा व्यवस्था, सरकार की सतर्कता के चलते ही पाकिस्तान, वहां के आतंकवादी संगठन एवं आतंकवादी अपने मनसूबों में कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। लगातार असफलता से खीझे एवं बौखलाये हुए आतंकी कोई-न-कोई नई और अधिक खौफनाक आतंकी घटना को अंजाम देने में जुटे रहते हैं, हमारी सुरक्षा एजेंसियों को अधिक सतर्कता बरतने की अपेक्षा है।

भारत के लिए स्थाई सिरदर्द बन चुका आतंक पोषक पाकिस्तान

तनवीर जाफ़री

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में गत 22 अप्रैल को हुए बर्बरतापूर्ण व अमानवीय आतंकी हमले को देश जल्दी भुला नहीं पायेगा। इसमें 27 बेगुनाहों की जान चली गई जिनमें अधिकांश देश के विभिन्न राज्यों से आये हुये पर्यटक शामिल थे। इस अमानवीय घटना की जितनी भी निंदा की जाये वह कम है। इस घटना के बाद राजनीति,भारतीय मीडिया,सोशल मीडिया, पक्ष और विपक्ष से जुड़े कई ऐसे पहलू थे जिनपर चर्चा होनी स्वभाविक थी और वह हुई भी। जैसे इस त्रासदी को मुख्य धारा के कहे जाने वाले टी वी चैनल्स ने एक बार फिर एजेंडा रिपोर्टिंग की तर्ज़ पर पेश कर देश में विभाजनकारी माहौल बनाने की पूरी कोशिश की। और इस आतंकी हमले को हिंदू बनाम मुस्लिम के रूप में पेश करने का भरसक प्रयास किया। इन टी वी चैनल्स को हमले के बाद कश्मीर सहित पूरे देश में इस हमले के विरुद्ध उपजी सहानुभूति,एकजुटता, पर्यटकों को बचाने,उन्हें पनाह देने व आतंकियों का बहादुरी से मुक़ाबला करते हुये स्थानीय कश्मीरी की जान देने व पर्यटकों के प्रति मानवता से पेश आने के दृश्य नज़र नहीं नज़र आये। न ही सुरक्षा एजेंसियों की लापरवाही न ही आपदा में अवसर ढूंढने वाली विमानन कंपनियों द्वारा आतंकी हमले की दहशत के परिणामस्वरूप पर्यटकों की वापसी की भारी भीड़ को देखते हुये उनसे आठ से दस गुना तक अधिक किराया वसूल किया जाना दिखाई दिया।

बहरहाल 22 अप्रैल से लेकर अब तक इस विषय को लेकर दोनों देशों की ओर से कई क़दम उठाये जा चुके हैं। भारत ने पाकिस्तान के विरुद्ध जो अहम फ़ैसले लिए हैं उनमें मुख्य रूप से भारत-पाकिस्तान के बीच हुये सिंधु जल समझौते को स्थगित करना,अटारी बॉर्डर को बंद करना,भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को इसी मार्ग से लौटने के लिए 1 मई तक की समय सीमा निर्धारित करना,पाकिस्तानी नागरिकों को भारत का वीज़ा न देना,भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय देना, सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीज़ा रद्द करना, नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी हाईकमीशन में तैनात पाकिस्तानी डिफ़ेन्स एडवाइज़र्स को भारत छोड़ने के लिए एक हफ़्ते का समय देना, तथा दोनों हाई कमीशन में तैनात कर्मचारियों की संख्या 55 से घटाकर 30 तक किया जाना शामिल है। इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी भारत के विरुद्ध कई फ़ैसले लिये हैं जिनमें भारत के साथ हुआ शिमला समझौता स्थगित करना,वाघा बॉर्डर से व्यापार पूरी तरह बंद करना,30 अप्रैल तक जिन लोगों ने वैध काग़ज़ों के साथ इस रास्ते से पाकिस्तान प्रवेश किया है, उन्हें वापस लौटने का निर्देश देना,सार्क वीज़ा छूट योजना के तहत भारतीय नागरिकों को दी गई वीज़ा छूट खत्म करना (सिख तीर्थयात्रियों को छोड़कर), भारतीय हाई कमीशन में काम कर रहे सैन्य सलाहकारों - डिफ़ेंस, नेवी और एयर अटैची को अवांछित व्यक्ति(श्र्द्गह्द्मश्ठ्ठ ठ्ठश्ठ द्दह्ड्डह्लड्ड) घोषित करना और उन्हें व उनके सहायक स्टाफ़ को 30 अप्रैल तक पाकिस्तान छोड़ने का निर्देश देना,इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के कर्मचारियों की संख्या घटाकर 30 करना,पाकिस्तानी एयरस्पेस को अब भारतीय स्वामित्व या संचालन वाली सभी एयरलाइंस के लिए बंद करना तथा हर प्रकार का व्यापार चाहे वह सीधे भारत से हो या किसी तीसरे देश के ज़रिए, तत्काल प्रभाव से बंद कर देना जैसी घोषणायें शामिल हैं।

उधर दोनों देशों द्वारा एक दूसरे के विरुद्ध उठाये जा रहे इन क़दमों के बीच पाकिस्तान की ओर से की गयी एक ऐसी स्वीकारोक्ति ने भारत द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध लगभग चार दशकों से लगाये जा रहे इन आरोपों को सच साबित कर दिया है कि पाकिस्तान आतंकवाद की नर्सरी भी है और पनाहगाह भी। ग़ौरतलब है कि स्काई न्यूज़ के संवाददाता ने पहलगाम में आतंकी हमले के सन्दर्भ में जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख़्वाजा आसिफ़ से पूछा कि- क्या आप मानते हैं कि पाकिस्तान का इन आतंकी संगठनों को समर्थन देने, प्रशिक्षण देने और धन मुहैया कराने का लंबा इतिहास रहा है? तो ख़्वाजा आसिफ़ ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान आतंकी समूहों को धन मुहैया कराने के साथ-साथ उन्हें हर तरह से समर्थन करता रहा है। ख़्वाजा आसिफ़ ने एक बातचीत के दौरान कहा कि - ÷हम अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए क़रीब तीन दशकों से यह गंदा काम कर रहे हैं।÷ इसे दूसरे शब्दों में कहा जाये तो पाकिस्तान अमेरिका व ब्रिटेन जैसे पश्चिमी देशों की कठपुतली बनकर आतंकवाद की पनाहगाह व आतंकवादियों का मुख्य उत्पादक देश बना हुआ है। रक्षा मंत्री ख़्वाजा आसिफ़ ने यह भी कहा कि -यदि हम सोवियत संघ के विरुद्ध युद्ध में और बाद में 9/11 के बाद के युद्ध में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग़ होता।

परन्तु सच पूछिये तो धर्म के आधार पर भारत से विभाजित होकर 1947 में ही अलग अस्तित्व में आने वाले पाकिस्तान में शुरू से ही अधर्म,ज़ोर ज़बरदस्ती,कट्टरपंथ,हिंसा व आतंकवाद का बोल बाला रहा है। और समय के साथ से यह और भी बढ़ता ही गया है। पाकिस्तानी नेताओं व शासकों द्वारा पोषित व प्रायोजित आतंकवाद का पहला निशाना तो पूर्वी पाकिस्तान (तत्कालीन) के लोग ही बने। बड़े पैमाने पर हत्यायें बलात्कार क्या नहीं किया गया बंगाली मुसलमानों के साथ ? तब कहाँ चला गया था इनका इस्लामी राष्ट्र ? क्यों 24 वर्षों में ही पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश वजूद में आया ? उसके बाद पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों विशेषकर हिन्दुओं,सिखों,शिया व अहमदिया मुसलमानों पर अत्याचार करने व उनकी हत्याओं का सिलसिला भी कोई केवल तीन दशक की कहानी नहीं है बल्कि यह सब घिनौनी हरकतें पाकिस्तान के वजूद में आते ही शुरू हो गयी थीं। स्वयं राष्ट्रपति ज़ियाउलहक़ के दौर में पाकिस्तान में कट्टरपंथ व आतंकवाद खूब फला फूला। इसी पाकिस्तान में धर्म के नाम पर आत्मघातियों की भर्ती की गयी जिन्होंने मस्जिदों,दरगाहों,इमाम बारगाहों व अनेक धार्मिक जुलूसों में अब तक हज़ारों लोग मारे। उसके बाद इसी पाकिस्तान ने तालिबानों को शुरूआती दौर में पूरा संरक्षण दिया। उनके कार्यालय तक खोले गये और ओसामा बिन लादेन व मुल्ला उमर के समय में तालिबानी प्रवक्ता पाकिस्तान में बैठकर पत्रकार वार्ता करता तथा तालिबानी नीतियों को सार्वजनिक करता था। अफ़ग़ानिस्तान की कट्टरपंथी तालिबानी सरकार को मान्यता देने वाला पहला देश पाकिस्तान ही था। पाकिस्तान में पोषित तालिबानी ही आगे चलकर कट्टरपंथी व आतंकी गिरोह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के नाम से जाने गये। और यही बाद में पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान सीमा के क़रीब संघीय प्रशासित क़बायली क्षेत्र के चरमपन्थी उग्रवादी गुटों के संगठन के रूप में स्थापित हुये। इसका मक़सद पाकिस्तान में शरिया पर आधारित एक कट्टरपन्थी इस्लामी अमीरात को क़ायम करना था। इस संगठन ने भी कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के प्रयास किये थे। तहरीक-ए-तालिबान ही वह संगठन था जिसके छः आतंकियों ने 16 दिसम्बर 2014 को पेशावर के सैनिक स्कूल पर हमला करके पाक फ़ौजियों के ही 126 बच्चों की हत्या कर दी थी।

इन सब वास्तविकताओं के बावजूद जब जब पाकिस्तान पर आतंकवाद फैलाने या उसे संरक्षण देने का आरोप भारत द्वारा लगाया जाता तो पाकिस्तान यह कहकर अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश करता कि वह तो स्वयं आतंकवाद का दंश झेल रहा है और इसका भुक्तभोगी है। परन्तु पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख़्वाजा आसिफ़ की ताज़ातरीन स्वीकारोक्ति से यह साबित हो चुका है कि पाकिस्तान आतंक फैलाने का केवल आरोपी ही नहीं बल्कि दोषी भी है। मसूद अज़हर,कंधार विमान अपहरण, हाफ़िज़ सईद,क़साब, पहलगाम का ताज़ातरीन अमानवीय हमला ऐसे दर्जनों सुबूत हैं जिसके आधार पर यह कहा जा सकता है कि पाकिस्तान द्वारा पोषित व संरक्षित आतंकवाद भारत के लिये स्थाई सिरदर्द बन चुका है लिहाज़ा इसका स्थाई समाधान होना भी ज़रूरी है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

सेन समाज ने सादगी से मनाई 725 वीं सेन जयंती

छतरपुर । सेन समाज के मार्गदर्शक, प्रेरणा स्वरूप,सत्य आहिंसा,प्रेम और भक्ति के उपासक संत शिरोमणि सेन जी महाराज की 725 में जयंती सादगी और शालीनता के साथ मनाई गई द्य श्री राधा कृष्ण सेन समाज मंदिर संकट मोचन में सेन महाराज का अभिषेक,सत्य नारायण की कथा, पूजन - हवन एवं प्रसाद वितरण किया गयाद्य मुख्य आयोजन बस स्टैंड स्थित जन सहयोग रसोई में हुआ जहां अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी हरि अग्रवाल उपस्थित रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सेन समाज के अध्यक्ष हेमराज वर्मा ने कीद्य इस अवसर पर जमना प्रसाद सेन, मुन्ना सेन, रामजीवन सेन, लल्लू बाबू जी, किशोरी लाल सेन, डॉ. बी एल वर्मा, दिलीप सेन,नितिन समारी, रामकुमार सेन,हरचरण सेन,नंदकिशोर ओमरे कालीचरण सेन, देवेंद्र सेन, राजू सेन,केदार सेन, आकाश सेन, रामाधीन सेन,मोहित सेन नीरज सेन, नैतिक सेन, भानु सेन, जीतू वर्मा,आनंद प्रकाश सेन, अशोक सेन, गुड्डा सेन, राजकुमार सेन, रामकुमार सेन सहित अनेक सजातीय बंधु उपस्थित रहे ।

प्री एग्रीकल्चर टेस्ट की निशुल्क कोचिंग के प्रथम टेस्ट के प्रश्न पत्र का व्याख्या सहित कराया गया सॉल्यूशन

दमोह ‑ उपसंचालक कृषि जे.एल. प्रजापति ने बताया जिला प्रशासन, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के सहयोग से उत्कृष्ट विद्यालय दमोह के कृषि संकाय के कक्षा में संचालित प्री एग्रीकल्चर टेस्ट की निशुल्क कोचिंग में विगत रविवार को आयोजित टेस्ट में टॉप 5 छात्रों को 1500 पेज के नोट्स निशुल्क उपलब्ध कराए गए एवं प्रश्न पत्र का सॉल्यूशन विषय विशेषज्ञ व्याख्या सहित कराया गया। दूसरा टेस्ट अगले रविवार को आयोजित किया जाएगा और इस टेस्ट में भी टॉप 5 छात्रों को 1500 पेज के निशुल्क नोट्स उपलब्ध कराए जाएंगे।

सांची में बौद्ध स्तूप परिसर में मंत्री पटेल सहित जनप्रतिनिधियों ने सुनी प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक नगरी सांची के बौद्ध स्तूप परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 121वां एपिसोड का श्रवण किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मन की बात कार्यक्रम के उपरांत पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री की बातें सुनकर सभी में उत्साह और गर्व का संचार हुआ। ÷प्रधानमंत्री मोदी को सुनना अपने आप में एक सुखद और प्रेरणादायी अनुभव है। 'मन की बात' एक ऐसा कार्यक्रम है, जिसमें एक एपिसोड सुनना कई किताबों के ज्ञान के बराबर होता है। जब पूरी दुनिया युद्ध और तनाव की स्थिति से जूझ रही है, तब सांची जैसे शांति के प्रतीक स्थान पर प्रधानमंत्री के विचारों को सुनना विशेष सौभाग्य की बात है। इस अवसर पर सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, पूर्व केबीनेट मंत्री रामपाल सिंह, राकेश शर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भूपेंद्र नंदवंशी का मनाया जन्मदिन

औबेदुल्लागंज संवाददाता।

भारतीय जनता पार्टी के जिला रायसेन युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष भूपेंद्र नंदवंशी का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया इस अवसर पर विधायक सुरेंद्र पटवा, जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, सुरजीत सिंह गिल, मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र नागर, सोनू चौकसे, बगिस अग्रवाल, नंदू शर्मा, दीपू परमार ,पंकज कोठारी, संजय प्रजापति, जीतू नंदवंशी, संजू चौकसे, उपेंद्र मालवी, देवेंद्र चौहान, भारत निहाल, सुरेश केवट, बिजी लावण्या, वैभव जैन आदि लोगों ने बधाई दी।

पहलगाम आतंकी हमले में हुए शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

छतरपुर। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में उपकुलगुरू डॉ. गिरीश त्रिपाठी, प्रभारी कुलसचिव डॉ. अमित जैन सहित विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगणों ने पहलगाम आतंकी हमले में हुए शहीदों को पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि देते हुए विश्वविद्यालय के उपकुलगुरू डॉ. गिरीश त्रिपाठी ने कहा कि हम अत्यंत दुख और शोक के साथ यह अवगत कराना चाहते हैं कि हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए

आतंकवादी हमले में हमारे देश के बहादुर जवानों और निर्दोष नागरिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी। यह कायरतापूर्ण कृत्य मानवता के विरुद्ध एक निंदनीय हमला है, जिसने पूरे देश को व्यथित कर दिया है। हम उन शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनके बलिदान को देश कभी नहीं भूलेगा। साथ ही, हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं और उनके परिवारजनों के साथ इस कठिन समय में पूर्ण संवेदना प्रकट करते हैं। यह घटना हम सबको एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ संकल्प के साथ खड़े होने की प्रेरणा देती है। शहीदों की शौर्यगाथा हमारे हृदय में सदैव अमर रहेगी।

विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. अमित कुमार जैन ने कहा कि पहलगाम में आतंकी हमले ने मन और आत्मा को विचलित कर दिया। जो पुलवामा में हुए भयावह नरसंहार की याद दिलाता है। जिन लोगों ने इस दुखद घटना में अपने प्रियजनों को खो दिया उनके प्रति मेरी शोक संवेदना है और परमेश्वर से प्रार्थना है कि घायलों को शारीरिक और मानसिक रूप से जल्द से जल्द स्वस्थ करें।

कॉरिडोर बहुत दिव्य और भव्य रूप से लगभग 100 करोड़ की राशि से बनेगा:संस्कृति राज्यमंत्री

दमोह। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के 9 मई को प्रस्तावित बांदकपुर आगमन को लेकर आज संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी एवं पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल की मौजूदगी में बांदकपुर त्र्यंबकेश्वर विश्राम भवन में बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने बैठक के संबंध में मुख्यमंत्री जी के आगमन की प्रस्तावित योजना के संबंध में अवगत कराया। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, सीईओ जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारे विशेष रूप से मौजूद थे।

संस्कृति राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह ने कहा बांदकपुर कॉरिडोर की बहुप्रतीक्षित मांग थी, उसका पूरा फर्स्ट फेज का टेंडर लग गया है और फर्स्ट फेज के टेंडर के भूमि पूजन के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के आगमन की प्रस्तावित तिथि 09 मई हैं। मुख्यमंत्री जी बांदकपुर में भगवान भोलेनाथ की धरती पर पधारेगें। कॉरिडोर के भूमि पूजन उपरांत कॉरिडोर का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जायेगा। यह कोरिडोर बहुत दिव्य और भव्य रूप से लगभग 100 करोड़ की राशि से बनेगा। निश्चित रूप से बांदकपुर धाम भगवान भोलेनाथ का धाम, जागेश्वर धाम अच्छी तरह से विकसित होगा।

पशुपालन राज्यमंत्री पटेल ने कहा लगभग 100 करोड़ की लागत से बांदकपुर जागेश्वर महादेव कॉरिडोर बनने वाला है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी सम्भावित 09 मई को भूमि पूजन के लिए आ रहे हैं। कोरिडोर का प्रथम चरण का टेंडर हो चुका है और उसमें बहुत सारे काम लिए, बाकी अलग-अलग चरणों में कार्य पूरा करके दिव्य और भव्य कोरिडोर बनाने की योजना हैं। इसके लिए राज्यमंत्री धर्मेंद्र लोधी जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने बांदकपुर को चुना और 100 करोड़ की राशि विभाग से स्वीकृत करायी। राज्यमंत्री पटैल ने गौशाला के निर्माण में पशुपालन एवं डेयरी विभाग यहां निराश्रित गौवंश के लिए गौशाला बना करके आसपास के गौवंश को यहां रखने का कार्य करेगा।

इस मौके पर एडीशनल एसपी संदीप मिश्रा, एसडीएम आरएल बागरी, सिद्धार्थ मलैया, पब्लिक ट्रस्ट श्री जागेश्वरनाथ मंदिर बांदकपुर के अध्यक्ष एडवोकेट सुरेश मेहता, एडवाकेट पंकजहर्ष श्रीवास्तव, प्रबंधक कृपाल पाठक, राघवेन्द्र परिहार, राहुल जैन, सरपंच सुनील डबुल्या, मंदिर कमेटी के सदस्यगण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण-पुलिस अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

बाल विवाह रोकथाम के लिए सेवा प्रदाताओं की बैठक लेकर दिये गये निर्देश

सिवनी । मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी अभिजीत पचौरी के मार्गदर्शन में विकासखंड सिवनी अंतर्गत विवाह में सेवा प्रदाताओं जिसमें लॉन, कैटरिंग वाले, खाना बनाने, घोड़ी वाले, डेकोरेशन, फूल सज्जा करने वाले, कार्ड प्रिंट करने वाले आदि की बैठक लेकर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की जानकारी प्रदाय कर उन्मुखीकरण किया गया।

कार्यशाला में धर्मगुरु एवं काजी ने उपस्थित लोगों को बताया कि बाल विवाह करना और उसमें सहभागिता करना, कानूनी रूप से गलत है साथ ही सामाजिक और धार्मिक रूप से भी ऐसा करना गलत है। सभी बालक और बालिका को अपने जीवन में आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए।

परियोजना अधिकारी ने बताया कि 18 वर्ष से कम उम्र की बालिका और 21 वर्ष से कम उम्र के बालक का विवाह, बाल विवाह कहलाता है, जो कि एक दंडनीय अपराध है। इसमें शामिल समस्त लोगों और सेवा पर कार्यवाही के लिए सजा और जुर्माने का प्रावधान है

सेवा प्रदाताओं को बताया कि वे किसी भी विवाह में सेवा देते समय ये सुनिश्चित करें कि वह बाल विवाह नहीं हो। अगर उनकी जानकारी में ऐसा आए तो वे तत्काल जिला प्रशासन को सूचित करें ताकि ऐसे विवाह को रोका जा सकें

बाल विवाह की सूचना सीएम हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, डायल 100 के साथ साथ ग्राम पंचायत, पुलिस थाना, तहसील कार्यालय, परियोजना कार्यालय महिला एवं बाल विकास को दे सकते हैं। बैठक में बाल विवाह रोकथाम के लिए उपस्थित जनों की शपथ कराई गई। जिला प्रशासन ने बाल विवाह रोकने में सहयोग करने की अपील की है।

कलेक्टर ने किया बिछिया एसडीएम कोर्ट का निरीक्षण

मंडला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा बिछिया विकासखंड भ्रमण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय बिछिया पहुँचे। उन्होंने बिछिया एसडीएम कोर्ट का आकस्मिक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कोर्ट में लम्बित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोकसेवा से संबंधित आवेदन लोकसेवा के माध्यम से ही ऑनलाईन प्राप्त करें। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह सहित संबंधित उपस्थित रहे।

सीएम डैशबोर्ड के इंडीकेटर्स को गंभीरता से लें - कलेक्टर

जिला योजना भवन में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिलाधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि सीएम डैशबोर्ड के इंडीकेटर्स को ध्यान से समझें एवं सभी इंडीकेटर्स को गंभीरता से लें। केपीआई के इंडीकेटर्स के आधार पर मुख्यमंत्री द्वारा जिले की रैंकिंग देखी जाती है इसमें अलग-अलग विभागों के कुल 38 इंडीकेटर्स हैं, प्रत्येक इंडीकेटर के लिए रैंक स्कोर होते हैं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग प्रमुख ध्यान दें कि इसमें रैंकिंग लाईव है इसलिए समुचित कार्यवाही करते हुए टोटल स्कोर बढ़ाएं। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्ट रराजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर अरविंद सिंह, अपर कलेक्टर जेपी यादव, संयुक्त कलेक्टर सीएल वर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध क्रेशर संचालन को प्रशासन दे रहा संरक्षण

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी इस लापरवाही में शामिल

मण्डला। अजीत पटेल--जिले में चारों ओर आसपास का बातावरण दूषित होते जा रहा हैं।पर्यवारण और आसपास के इलाकों को बचाने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने सख्त नियम बनाए है लेकिन मैदानी स्तर पर इसका पालन नहीं हो पा रहा है।जिले के लगभग अधिकांश स्टोन क्रेशर की खदान में पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा है और ना ही विंड ब्रेकिंग वाल बनाई गई है।इससे प्रदूषण पर कंट्रोल ही नहीं हो पा रहा है।खदान संचालक को संचालन अनुमति देते समय स्पष्ट रूप से पर्यावरणीय नियम के पालन के शपथ पत्र लिए जाते हैं की क्रेशर से निकलनी वाली धूल से श्रमिकों और आसपास के इलाकों में पडने़ वाले प्रभाव को देखते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने भी सख्त आदेश जारी किए हैं,जिनमें उन्हें धूल का कंट्रोल हर हाल में करना है।बावजूद मौजूद के क्रेशर में नियमों की अनदेखी की जा रही है।क्रेशरों का स्थल पर विंड वाल,जल छिड़काव,प्लांटेशन,तारपोलिंग जैसे कोई भी नियम नहीं है।

संबंधित विभाग लापरवाही को नजर अंदाज करने की कीमत बसूल रही: ग्रामीणों ने बताया है कि मंडला जिले में क्रेशर संचालको पर खनिज विभाग के अफसर मेहरबान है। खदानो और क्रेशर की जांच के लिए अफसर खाना पूर्ति कर रहे है।इसके चलते क्रेसर संचालको के द्वारा मनमाने शासकीय भूमि निजी भूमि हो बेरोक टोक के मनमाना खनन किया जा रहा है।खदान से मुनारा गायब है और रकबा से अधिक खनन किया जा रहा है।इससे आसपास के गाँव निवासरत लोगो के साथ साथ पर्यावरण को भी तेजी से नुकसान पहुंच रहा है। वहीं दूसरी ओर शासन को भी राजस्व की क्षति पहुंच रही है।क्रेशर संचालकों को रसूखदारो का संरक्षण प्राप्त है इस लिए मनमाने और अवधि समाप्त के बाद भी क्रेशर का संचालन किया जा रहा है।इन पर कार्रवाई के लिए खनिज

विभााग या स्थानीय प्रशासनिक अमला के द्वारा किसी भी तरह की जांच नहीं की जा रही है। जिस कारण से इनके हौसले बुलंद नज़र आ रहें हैं।

पत्रकार पर केस दर्ज करने वाले पर कार्रवाई हो

रीवा। मऊगंज जिला के नई गढ़ी थाना में पत्रकार मिथिलेश त्रिपाठी के विरुद्ध फर्जी मुकदमा कायम करने वाले उप निरीक्षक थाना प्रभारी जगदीश सिंह ठाकुर की पत्रकार कल्याण परिषद ने निंदा करते हुए मनमाने षड्यंत्रकारी थाना प्रभारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पत्रकार कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेदांती त्रिपाठी ने मऊगंज पहुंचकर पीड़ित पत्रकार समुदाय व अनशन में बैठे पत्रकार मिथिलेश त्रिपाठी से भेंटकर चर्चा किया। बताया गया है कि उपनिरीक्षक राजनैतिक प्रभाव के बल पर नई गढ़ी देवतालाब और लौर थाना में विगत कई वर्षों से पदस्थ है। थानेदार जगदीश ठाकुर ने यहां अपनी जड़े जमा ली है । क्षेत्र में परेशान लोगों ने जगदीश ठाकुर की ज्यादती के विरुद्ध न्यायालय में कई मामले दायर कर रखे हैं। जो मुकदमा अभी भी विचाराधीन है। थानेदार की मनमानी गतिविधियों का समाचार प्रसारित करने के कारण मिथलेश त्रिपाठी के विरुद्ध रंजिशन जगदीश ठाकुर ने आशीष कुशवाहा नामक व्यक्ति से झूठी शिकायत लेकर फर्जी मुकदमा बनाया है। जो दस्तावेजी प्रमाण में स्पष्ट रूप से फर्जी है। अब इस फर्जी मुकदमे को रचने के लिए पुलिस द्वारा झूठ पर झूठ का फर्जी सहारा लिया जा रहा है। और उतना ही पुलिस की झूठी संरचना सामने आते जा रही है।

पत्रकार कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेदांती त्रिपाठी ने उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से भेंट कर पत्रकार को न्याय दिलाने और थाना प्रभारी जगदीश ठाकुर के ऊपर सख्त कार्यवाही की मांग की है।

जिनमें प्रमुख रूप से राष्ट्रीय संयोजक मोहम्मद नईम खान, राष्ट्रीय सचिव गिरीश अग्रवाल, वरिष्ठ पदाधिकारी देवेंद्र पांडे, श्रीनिवास पाठक, प्रदेश अध्यक्ष दिवाकर विश्वकर्मा, कमलेश घोष, संतोष झा, मुस्कान पटेल, श्रुति जैन समेत सभी पत्रकार कल्याण परिषद के पदाधिकारी सदस्यों ने फर्जी केश बनाने वाले थानेदार की निंदा करते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

परशुराम जयंती के पावन अवसर पर 8 दिनी परशुराम प्राकट्य महोत्सव मनेगा

सिवनी। जिला ब्राहम्ण समाज सिवनी के तत्वाधान में भृगुकुल नंदन भगवान परशुराम जी का प्राकट्य महोत्सव समारोह का आयोजन पूरे जिले में मनाया जाना है जिसमें 27 अप्रैल से 4 मई तक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। 27 अप्रैल को छपारा में पूजन अर्चन के बाद रैली का आयोजन किया जायेगा। इसी तरह 29 अप्रैल को बरघाट एवं केवलारी में तथा 30 अप्रैल को घंसौर एवं लखनादौन में भी रैली निकाली जावेगी।

आयोजन को लेकर जिला अध्यक्ष दिलीप तिवारी, ओमप्रकाश तिवारी, राजेश त्रिवेदी, अजय मिश्रा, भुवनेश्वर शुक्ला, प्रशांत शुक्ला, अशोक तिवारी सहित प्रचार प्रसार में ऋषभ शर्मा, सतीश शर्मा, आशीष मिश्रा, दिनेश शर्मा, अखिलेश चंकी पांडे, अरविंदजा दुबे, सुर्यकांत चतुर्वेदी, मंजू दुबे, मनोज मर्दन त्रिवेदी, शरद दुबे, अवधेश तिवारी आदि को दायित्व सौंपा गया है। शोभा यात्रा को सफल बनाने हेतु विकासखण्ड सहप्रभारी के रूप में सिवनी शहर अशोक तिवारी, ग्रामीण भुवन भास्कर मिश्रा, केवलारी दामोदर प्रसाद शुक्ला, घंसौर विजय तिवारी, कुरई में देवेन्द्र दीक्षित, लखनादौन श्याम नारायण पांडे, बरघाट में शिवशंकर शर्मा एवं छपारा में राजेन्द्र तिवारी को दायित्व सौंपा गया है।

आयोजन के प्रथम चरण में 30 अप्रैल दिन बुधवार को प्रातः 9 बजे से श्री माता त्रिपुर सुंदरी एवं भगवान परशुराम जी का अभिषेक, श्रृंगार, पुजन, अर्चन एवं बंधन किया जावेगा, इसके प्रभारी पंडित दिनेश मिश्रा, गीता अवस्थी, प्रतिभा तिवारी, मीनाक्षी तिवारी, मंजू अवस्थी, शिव कुमार तिवारी, विनोद मिश्रा, अजय शर्मा होंगे। द्वितीय चरण 4 मई दिन रविवार को अपरान्ह 3 बजे शोभा यात्रा (वाहन रैली) निकाली जावेगी। इस दौरान मुख्य अतिथि पंडित आशीष दुबे (सांसद जबलपुर), संजय शर्मा (पूर्व विधायक तेंदुखेड़ा), श्रीमति नीता पटेरिया (पूर्व सांसद सिवनी), गौरव मिश्र (डी.एफ.ओ.), मेघा शर्मा (एस.डी.एम. सिवनी), प्रभात मिश्रा (एस.डी.एम. चैरई), आशीष कुमार पांडे (एस.डी.ओ. फारेस्ट), बी.पी. तिवारी (एस.डी.ओ. फारेस्ट) शामिल होगें। यह रैली मठ मंदिर से प्रारंभ होकर छिंदवाड़ा चैक, गणेश मंदिर, महावीर मढ़िया, शंकर मढ़िया, नगर पालिका, नेहरू रोड, शुक्रवारी, गणेश चैक, सिंधिया तिराहा, बाहुबली चैक, पाल पेट्रोल पंप, सिंधी कॉलोनी, सोमवारी चैक, गांधी भवन, गणेश चैक, डुंडा सिवनी, परशुराम भवन प्रांगण पहुँचकर सामाजिक सम्मेलन में परिवर्तित होगी। इस द्वौरान झंडा प्रभारी हर्षित तिवारी, अनुराग उपाध्याय, पंकज तिवारी, शिवम तिवारी होंगे। रैली के संचालन में विजय तिवारी सिवनी, पंडित विशाल तिवारी, अनुप मिश्रा आदि का समावेश किया गया है। शाम को भजन संध्या में दामोदर शुक्ला, नेत्रपाल दुबे एवं विशाल शुक्ला का समावेश किया गया है।

भारत रत्न डॉ.भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के तहत जिला स्तरीय प्रबुद्ध जन संगोष्ठी संपन्न

बाबा साहब के विचारों के अनुरूप योजनाएं चला रही हमारी केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकारें: लखन पटेल

छतरपुर । भारतीय जनता पार्टी द्वारा 27 अप्रैल 2025 रविवार को जिला भाजपा कार्यालय में भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जी के जीवन पर आधारित सम्मान अभियान के तहत जिला स्तरीय प्रबुद्ध जन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश सरकार में मंत्री लखन पटेल एवं टीकमगढ़ जिले के पूर्व जिला अध्यक्ष नंदकिशोर नापित उपस्थित रहे।

स्वागत भाषण जिला अध्यक्ष चंद्रभान सिंह गौतम एवं प्रस्तावना जिला महामंत्री बृजेश राय के द्वारा रखी गई।

मंच पर मुख्य वक्ता सरकार के मंत्री लखन पटेल,पूर्व जिला अध्यक्ष नंदकिशोर नापित,प्रदेश उपाध्यक्ष छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव, जिला अध्यक्ष चंद्रभान सिंह गौतम,राजनगर विधायक अरविंद पटेरिया,महाराजपुर विधायक कामाख्या प्रताप सिंह,पूर्व विधायक जुझार सिंह बुंदेला,उमेश शुक्ला,पूर्व जिला अध्यक्ष मलखान सिंह चौहान,जय नारायण अग्रवाल,जिला महामंत्री सुरेंद्र चौरसिया,बृजेश राय, एवं कार्यक्रम के जिला प्रभारी जयराम चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी अरविन्द बुंदेला ने बताया कि संगोष्ठी को

राज्य मंत्री लखन पटेल ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने हमेशा परिवार वाद एवं तुष्टिकरण के तहत काम किया है और आज भी इस नीति पर चल रही है वहीं दूसरी ओर हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार है चाहे वह केंद्र की हो या राज्य की हो डॉ भीमराव अंबेडकर के विचारों को को लेकर अंत्योदय योजनाओं को लेकर आगे बढ़ रही है। श्री पटेल ने कहा कि

कांग्रेस ने देश पर 50 वर्षों तक राज किया परंतु कभी भी बाबा साहब को सम्मान देने या उनके विचारों को आगे बढ़ाने का कोई कार्य नहीं किया। यहां तक की बाबा साहब को भारत रत्न देने का ऐतिहासिक कार्य भी हमारी भाजपा समर्थित बीपी सिंह की सरकार में ही संभव हो सका। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने बाबा साहब के जीवन से जुड़े हुए स्थान को पंच तीर्थ के रूप में घोषित किया।

संगोष्ठी को टीकमगढ़ के पूर्व जिला अध्यक्ष नंदकिशोर नापित ने संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब के विचारों को लेकर हमें जनता के बीच जाना होगा। बाबा साहब के सामाजिक समरसता के विचारों को बढ़ाना हम सब कार्यकर्ताओं का लक्ष्य होना चाहिए। ताकि हम कांग्रेस के द्वारा किए गए बाबा साहब के अपमान को और उनकी गलत नीतियों को जनता के समक्ष रख सके।

हमें बताना होगा कि आज जो कांग्रेस बाबा साहब के नाम पर अनुसूचित जाति वर्ग को गुमराह करने की कोशिश करती है इसी कांग्रेस के कारण डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को कानून मंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा था और उनका चुनाव हराने का कार्य भी कांग्रेस के द्वारा किया गया। संगोष्ठी का आभार प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक श्रीमती ललिता यादव के द्वारा किया गया। संचालन कार्यक्रम के प्रभारी जय राम चतुर्वेदी के द्वारा किया गया।

सीएम राईज विद्यालय मध्यप्रदेश शासन की एक महत्वाकांक्षी अभिनव योजना

छतरपुर। मध्य प्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयोग किए गए हैं इसी क्रम में पहले उत्कृष्ट विद्यालयों की स्थापना की गई फिर मॉडल स्कूल और अब सी एम राइज विद्यालयों की स्थापना इन्हीं प्रयोग का एक हिस्सा है।सी एम राइज विद्यालय मध्य प्रदेश शासन की एक महत्वाकांक्षी और अभिनव योजना है जिसके तहत प्रारंभिक तौर पर जिले के प्रत्येक विकासखंड में सी एम राइज विद्यालयों की स्थापना की गई है। वर्तमान में इस योजना का विस्तार करते हुए अनेक ग्रामीण विद्यालयों को भी सी एम राइज विद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया है । इस योजना को मूर्त रूप देने के लिए शासन ने पर्याप्त बजट उपलब्ध कराया है करोड़ों की राशि खर्च करके भवन निर्माण कराया गया है लाखों रुपए की राशि खर्च करके इन विद्यालयों को सर्व सुविधा युक्त पर्याप्त संसाधन की उपलब्धता कराई गई है। शासन का एक ही उद्देश्य है कि प्रदेश के छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की सुविधा एवं शिक्षण कार्य की उपलब्धता हो सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्कूल शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल द्वारा सी एम राइज विद्यालयों में छात्रों की प्रवेश की जो नीति जारी की गई है उसमें स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि इन विद्यालयों में केवल शासकीय विद्यालयों के छात्रों को ही प्रवेश दिया जाए और उन्हें भी एक सकेंद्रित अर्थात पहले 1 किलोमीटर के दायरे के विद्यालयों के छात्रों को फिर 2 किलोमीटर के दायरे के छात्रों को क्रमशःवरियता के आधार पर प्रवेश दिया जाये। प्रवेश प्रक्रिया में अशासकीय विद्यालयों एवं अधिक दूरी के शासकीय विद्यालयों के छात्रों के प्रवेश को पूर्णत प्रतिबंधित कर दिया गया है।। इस अतार्किक एवं मनमानी पूर्ण निर्णय से अशासकीय विद्यालयों के निर्धन छात्र एवं अन्य शासकीय विद्यालयों के इच्छुक छात्र सी एम राइज विद्यालय में प्रवेश से वंचित हो रहे हैं। शिक्षा का अधिकार अधिनियम में स्पष्ट प्रावधान है कि किसी भी छात्र को शासकीय अथवा अशासकीय या अन्य किसी भेद के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया से वंचित नहीं किया जा सकता है यदि छात्र प्रवेश की योग्यता पूर्ण करता है तो उसे अपने मनपसंद विद्यालय में प्रवेश लेने का पूर्ण अधिकार है। शासन द्वारा जारी की गई यह प्रवेश नीति शिक्षा का अधिकार अधिनियम का सीधा उल्लंघन है एवं शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों के बीच भेदभाव उत्पन्न करने का अनुचित प्रयास है।

बाजार में सुधार से आईपीओ-एनएफओ की लगेगी लाइन, 66 कंपनियां एनएफओ की तैयारी में

नई दिल्ली, एजेंसी। कई देशों के बीच तनाव और महंगाई के चलते शेयर बाजार में अक्तूबर से जारी गिरावट अब थम गई है। बीएसई सेंसेक्स फिर से 80,000 के पार पहुंच गया है। निवेशकों को जितना घाटा हुआ था, उसकी आंशिक भरपाई भी हो रही है। बाजार की गिरावट में कंपनियां आईपीओ लाने की तैयारी कर रही हैं तो म्यूचुअल फंड नए फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च करने के लिए तैयार बैठे है। फरवरी में महज तीन आईपीओ आए जबकि मार्च में एक भी नहीं आया। अप्रैल में एथर एनर्जी 2,981 करोड़ रुपये के साथ आईपीओ की शुरुआत कर रही है। ऐसे में आने वाले महीने से ज्यादा कंपनियां बाजार में उतर सकती हैं। बाजार में सुधार से म्यूचुअल फंड स्कीमों की नेट एसेट वैल्यू यानी एनएवी बढ़ने लगी है। म्यूचुअल फंड की ज्यादातर स्कीमें इक्विटी में निवेश करती हैं। इसलिए, बाजार में गिरावट पर एनएवी यानी रिटर्न भी घटने लगता है। अप्रैल में बाजारों की तेजी ने म्यूचुअल फंड के रिटर्न की वापसी कर दी है। जो निवेशक घाटे में चले गए थे, उनकी भरपाई हो रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि जिन स्कीमों ने इक्विटी में निवेश किया था, उन कंपनियों के शेयरों में सुधार से रिटर्न पर असर दिख रहा है। इस साल जनवरी से मार्च तक 66 म्यूचुअल फंड कंपनियों ने एनएफओ लाने के लिए सेबी के पास मसौदा जमा कराया है। 2024 में इसी अवधि में यह संख्या 56 थी। अप्रैल में 12 फंड हाउसों ने एनएफओ लॉन्च किया है। इसमें एसबीआई से लेकर कोटक, बजाज और एडलवाइस जैसे फंड हाउस हैं। निप्पॉन इंडिया ने दो पैसिव फंड लॉन्च किया है जो 30 अप्रैल तक खुला रहेगा। इसमें एक निफ्टी 500 लो वोलैटिलिटी-50 इंडेक्स जबकि दूसरा निफ्टी-500 क्वालिटी-50 इंडेक्स फंड है।

आरबीआई गर्वनर ने स्टार्टअप पर दिया जोर, कहा- युवा अब एमएनसी में नौकरी करने की जगह उद्यमी बनना कर रहे पसंद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने स्टार्टअप पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में भारत की युवा पीढ़ी की मानसिकता बदली है। अब युवा बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) में नौकरी की तलाश करने के बजाय उद्यमी बनना पसंद कर रहे हैं। वॉशिंगटन डीसी में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और अमेरिका-भारत सामरिक भागीदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) द्वारा आयोजित अमेरिका-भारत आर्थिक मंच में अपने भाषण में गर्वनर संजय मल्होत्रा ने कहा कि जब मैंने कॉलेज छोड़ा तो एमएनसी में नौकरी करना मेरा पसंदीदा विकल्प था। किसी ने भी अपना खुद का उद्यम शुरू करने के बारे में नहीं सोचा था। हाल के वर्षों में बड़ी संख्या में इंजीनियरिंग और प्रबंधन स्नातक उद्यमिता और स्टार्ट-अप की ओर रुख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उद्यमिता की इस बढ़ती संस्कृति ने भारत को एक मजबूत स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बनाने में मदद की है। देश में लगभग 150,000 मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप हैं, जिन्हें स्टार्ट-अप इंडिया, डिजिटल इंडिया और अटल इनोवेशन मिशन जैसी सरकारी पहलों का समर्थन प्राप्त है। आरबीआई गर्वनर ने कहा कि भारत में अब दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी संख्या में यूनिकॉर्न हैं, जिनमें से कई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिनटेक और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे उच्च तकनीक क्षेत्रों से उभर रहे हैं। भारत ने वैश्विक नवाचार सूचकांक में भी अपनी स्थिति में सुधार किया है। यह 2015 के 81वें स्थान से चढ़कर 2024 में 39वें स्थान पर आ गया है। निम्न-मध्यम आय वाले देशों में भारत अब पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि यह जानकर खुशी होती है कि भारत तेजी से नौकरी चाहने वालों की बजाय नौकरी देने वालों का देश बनता जा रहा है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को आधार से जोड़ने जैसी विभिन्न योजनाओं के डिजिटलीकरण से भारी बचत हुई है। राज्य सरकारों को समय पर धन मिलने से केंद्र सरकार को अपने नकदी प्रवाह को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में भी मदद मिली है।

जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयरों में 13वें दिन भी गिरावट, बाजार में फिर लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली, एजेंसी। जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयरों में सोमवार को भी गिरावट जारी रही। कंपनी के शेयर पांच प्रतिशत तक टूट गए और इसमें फिर लोअर सर्किट लग गया। कंपनी का शेयर बीएसई पर 5 प्रतिशत गिरकर न्यूनतम कारोबार की स्वीकार्य सीमा तथा 86.50 रुपये के 52 सप्ताह के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया। एनएसई में यह 5 प्रतिशत गिरकर 85.65 रुपये पर आ गया। यह शेयर का एक और निचला सर्किट और 52 सप्ताह का निम्नतम स्तर है। सोमवार को लगातार 13वें कारोबारी दिन कंपनी के शेयरों में गिरावट जारी रही है। इस दौरान शेयरों में 47 प्रतिशत की गिरावट आई है। अपने 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर 1,125.75 रुपये से कंपनी के शेयर में 92.31 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। जेनसोल और ब्लूस्मार्ट के प्रमोटर अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी भाइयों पर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की ईवी खरीद के लिए ऋण राशि के डायवर्जन के आरोपों को लेकर विनियामक कार्रवाई की जा रही है। सेबी ने दोनों पर पूंजी बाजार प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे उन्हें सूचीबद्ध कंपनियों में हिस्सेदारी रखने से रोक दिया गया है। जेनसोल इंजीनियरिंग सौर परामर्श सेवाएं, इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) सेवाएं, और इलेक्ट्रिक वाहनों को पट्टे पर देने जैसी सेवाएं प्रदान कर रही हैं। सेबी को जून 2024 में शेयर मूल्य में हेरफेर और जेनसोल से धन के डायवर्जन से संबंधित शिकायत प्राप्त हुई और उसके बाद मामले की जांच शुरू हुई। इसके अलावे, सेबी ने जेनसोल इंजीनियरिंग को 1:10 के अनुपात में स्टॉक विभाजन की अपनी योजना को स्थगित करने का निर्देश दिया।

बचत का गणित 50-30-20: वित्तीय लक्ष्य हासिल करने के लिएअपनाएं यह नियम; पहले बचाएं, फिर खर्च पर दें ध्यान

नई दिल्ली, एजेंसी। भविष्य के वित्तीय लक्ष्यों को पाने के लिए हर व्यक्ति को अपनी कमाई के अनुसार बजट बनाना चाहिए। इससे पता चलता है कि आप कमाई का कितना हिस्सा खर्च करते हैं और कितनी राशि बचाते हैं। इसके लिए खर्च और बचत के नियम 50-30-20 को समझना आवश्यक है। यह आपकी कमाई, खर्च और बचत के बीच संतुलन बनाने में मददगार साबित होगा। सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन ने अपनी पुस्तक ऑल योर वर्थ : द अल्टीमेट लाइफटाइम मनी प्लान में 50-30-20 नियम का जिक्र करते हुएबचत के तरीके बताए हैं। निवेश करते समय विशेषज्ञों की सलाह के बाद ही योजनाओं का चुनाव करें। महामारी जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा आदि जरूर कराएं। अपने बाद परिवार की सुरक्षा करने के लिए टर्म बीमा लें। अच्छा पेंशन प्लान लें, जो बुढ़ापे में आपकी वित्तीय चिंता को दूर करे। मान लीजिए, आपकी मासिक कमाई 90,000 रुपये है। इसे 50-30-20 नियम के मुताबिक तीन हिस्सों में बांट लें। 50 फीसदी हिस्से यानी 45,000 रुपये को घर के जरूरी खर्चों के लिए अलग रख दें। जरूरी खर्चों में होम लोन की मासिक किस्त, बच्चों की स्कूल फी, किराना, स्वास्थ्य बीमा आदि शामिल हैं, जिनकी अनदेखी नहीं की जा सकती है।

इंदौर में एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 में बोले मुख्यमंत्री डॉ. यादव, हमारे पास जमीन कम, प्रोजेक्ट की मांग ज्यादा

इंदौर। इंदौर स्थित 'ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर' में रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद से ही हमनें उद्योग और रोजगार के क्षेत्र पर तुरंत ध्यान केंद्रित किया है। हमने छोटे-छोटे क्षेत्रों में भी उद्योगपतियों को आमंत्रित किया है, लेकिन अब हमारे पास पर्याप्त भूमि की कमी हो रही है। प्रोजेक्ट्स की मांग काफी बढ़ गई है। वर्तमान में प्रदेश में 6 आईटी पार्क कार्यरत हैं। हमने 18 नई नीतियों का शुभारंभ किया था, और आज पूरी दुनिया के निवेशक यहां निवेश करने के लिए आ रहे हैं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर को 2 टियर शहर मानना मुझे स्वीकार नहीं है। यह शहर किसी भी मामले में किसी से कम नहीं है। इंदौर देश का सबसे स्वच्छ शहर है, और भविष्य में यह ग्रीन इंदौर के मामले में भी नंबर एक बनेगा। हम वृक्षारोपण के माध्यम से शहर का तापमान 5 डिग्री तक घटाएंगे। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का दृष्टिकोण, संकल्प, उद्देश्य और लक्ष्य उद्योग को बढ़ावा देना है, क्योंकि हम विज्ञान और प्रौद्योगिकी के युग में प्रवेश कर चुके हैं।

एमपी की वेव से देश की अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई दिशा

कर्नाटक डिजिटल इकोनॉमी मिशन के सीईओ संजय गुप्ता ने कहा कि वह मध्यप्रदेश को अपने इंडस्ट्री क्लाइंट के रूप में देखते हैं। उनका मानना है कि एक पेशेवर संस्था बननी चाहिए, जो उद्योग और सरकार के बीच समन्वय स्थापित करे। डिजिटल इकोनॉमी में स्टार्टअप्स का अहम योगदान है, और भविष्य में बड़ी संख्या में युवा इस क्षेत्र में शामिल होंगे। मध्यप्रदेश से उत्पन्न होने वाली यह वेव देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ग्लोबल कैपिबिलिटी सेंटर (जीसीसी) के विशेषज्ञ विश्वनाथन केएस ने कहा- वर्तमान में देश में 1700 ग्लोबल कैपिबिलिटी सेंटर (जीसीसी) हैं, और अगले 5 वर्षों में इनकी संख्या बढ़कर 3000 होने का अनुमान है।

मध्यप्रदेश पहला राज्य है, जिसने जीसीसी नीति को अपनाते हुए लैंड रिकॉर्ड, बिजली बिल जैसी सुविधाओं में सुधार किया है। विकसित भारत में मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका होगी, और प्रदेश के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में आगे बढ़ने की पूरी क्षमता है। यहां टूरिज्म और कनेक्टिविटी भी मजबूत है। बैंगलोर में काम करने वाले 7 से 8 प्रतिशत आईटी पेशेवर मध्यप्रदेश से हैं, जो अब अपने राज्य लौटने की इच्छा रखते हैं।

मुख्य सचिव बोले, एमपी में विकास की अपार संभावनाएं

कार्यक्रम में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मध्य प्रदेश में निवेश के अवसरों पर प्रकाश डाला और बताया कि दो महीने पहले आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के परिणाम सकारात्मक रहे हैं।

सपनों को साकार करने के लिए सकारात्मक वातावरण

इंफोबीन टेक्नोलॉजी के सीईओ सिद्धार्थन सेठी ने कहा कि सपनों को साकार करने के लिए एक सकारात्मक माहौल बेहद जरूरी है। राज्य सरकार ने उद्योगपतियों के लिए एक उत्साहवर्धक वातावरण तैयार किया है। हमारी कंपनी में 1500 इंजीनियर काम कर रहे हैं। इंफोबीन की जड़ें इंदौर में गहरी हैं और हम यहीं रहकर काम करेंगे।

क्षेत्र में प्रगति के लिए सशक्त संकल्प: मितेश लोकवानी ने बताया कि भोपाल में एक नई यूनिट स्थापित की गई है, जो डेस्कटॉप निर्माण में संलग्न है। उनकी कंपनी ने देश-विदेश में कंप्यूटर और आईटी उपकरणों का निर्यात किया है। एचएलबीएस देश की सातवीं कंपनी है, जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। हम मध्य प्रदेश सरकार के साथ मिलकर राज्य में आईटी क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस साल सोने की कीमत 27 हजार रुपए तक गिरने का अंदेशा

मुंबई, एजेंसी। एक लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक उछली सोने की कीमत में अब गिरावट का दौर शुरू हो गया। कुछ दिन में सोना थोड़ा सस्ता हुआ, लेकिन अभी भी यह काफी महंगा है। इसके चलते बहुत सारे लोग शादियों के सीजन में भी सोने की ज्वैलरी खरीद नहीं पा रहे। जानकारों का कहना है कि इस साल सोना अपने रिकॉर्ड हाई 99 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम से टूटकर 70,000 रुपये तक पहुंच सकता है। यानी सोना करीब 27 हजार रुपये सस्ता हो सकता है। सोने के खनन कार्यों में लगी दुनिया की बड़ी कंपनी सॉलिडकोर रिसोर्सेज पीएलसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विटाली नेसिस ने यह दावा किया। उन्होंने कहा कि अगले 12 महीनों में सोने की कीमत में बड़ी गिरावट आने की उम्मीद है। सॉलिडकोर के सीईओ ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि 12 महीनों के भीतर कीमत गिरकर नीचे आ जाएंगी। सोने का दाम अभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में 3,319 प्रति औंस है।

नेसिस के अनुमान के मुताबिक, सोने की कीमतों में करीब 25त्न गिरावट आ सकती है। यानी भारतीय मार्केट में सोने का रेट टूटकर 70 हजार प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच सकता है। नेसिस का मानना है कि सोने की कीमत में यह रिकॉर्ड तेजी ओवर रिएक्शन के कारण है। दुनिया के हालात ठीक होते ही सोने में बड़ी गिरावट आएगी। हालांकि, यह पहले के स्तर पर नहीं पहुंचेगा।

आम लोगों की जेब पर भी गहरा असर डाला

सोने के दाम में अभूतपूर्व वृद्धि ने न केवल बाजार को चौंकाया है बल्कि आम लोगों की जेब पर भी गहरा असर डाला है और शादियों के सीजन में महिलाओं की चिंता बढ़ा दी है। अक्षय तृतीया और शादी-ब्याह के मौसम में जब सोने की खरीदारी हर भारतीय घर की प्राथमिकता होती है, ऐसे समय में इस कीमती धातु की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल ने मध्यमवर्गीय परिवारों को झटका दिया है।

एक महिला ने बताया कि नवंबर में बेटी की शादी है और अचानक सोने के दाम इतने बढ़ गए है कि कुछ समझ ही नहीं आ रहा है। अब शादी के लिए सोने की खरीदारी कैसे होगी? त्योहारों और पारिवारिक आयोजनों में गहनों की खरीद महिलाओं की प्राथमिकता में शामिल रही है। बढ़ती कीमतों के बावजूद कई महिलाएं मानती हैं कि बिना सोने के गहनों के, ऐसे मौके अधूरे लगते हैं।

22,650 रुपए महंगा हुआ

बीते वर्ष दिसंबर से सोना अब तक लगभग 22,650 रुपये प्रति 10 ग्राम यानी करीब 29त्न महंगा हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि रिटर्न के हिसाब से सोने का प्रदर्शन शेयर और बांड दोनों से बेहतर रहा है। दिल्ली की एक महिला ने कहा कि पति की मौत के बाद मैंने नौकरी की और अपने दो बच्चों का पालन पोषण किया। बेटी की शादी पिछले साल हुई। मेरे दामाद कनाडा में हैं, बेटी को भी वहीं काम मिल गया। अब बेटे की शादी नवंबर में है। कनाडा में 22 कैरेट सोना करीब 86000 रुपये प्रति दस ग्राम है। सोच रही हूं कि बेटी दामाद को पैसे भेजकर बहू के लिए कनाडा से कुछ मंगा लूं।

लोग खरीद नहीं रहे, दाम पूछ रहे

मुंबई के अशोक सोनी के मुताबिक, हम दशकों से इस कारोबार में हैं, लेकिन पहली बार है जब ग्राहकों की आंखों में खुशी से ज्यादा उलझन दिख रही है। पहले लोग गहनों की डिजाइन देखते थे, अब सिर्फ दाम पूछकर लौट रहे हैं। हमें डर है कि ये भाव ऐसे ही रहे तो छोटे दुकानदारों का टिकना मुश्किल हो जाएगा और धंधा मंदा पड़ जाएगा।

पढ़ने के आनंद का मनाएं जश्न, अमेजन इंडिया ने मेक इंडिया रीड मोर मिशन को किया और मजबूत

बेंगलुरु, एजेंसी। इस वर्ल्ड बुक डे पर अमेजन इंडिया अपने मेक इंडिया रीड मोर मिशन को आगे बढ़ा रहा है – ये एक व्यापक कोशिश है, जो भारत के रीडिंग कल्चर को बढ़ावा देने के लिए डेमोक्रेटाइज्ड एक्सेस, इनोवेटिव डिस्कवरी और कम्युनिटी एनगेजमेंट के जरिए काम करती है। ये प्रतिबद्धता देश भर के पाठकों तक किताबों की पहुंच को आसान बनाने के लिए अमेजन द्वारा किए जा रहे काम का हिस्सा है।

अमेजन इंडिया के हाल के ट्रेंड्स से पता चलता है कि पूरे देश में किताबों की मांग बढ़ रही है, जिसमें नए कस्टमर्स और कैटेगरी सेल्स दोनों में डबल-डिजिट ग्रोथ देखी गई है। टियर 2 शहर इस विस्तार को खास तौर पर बढ़ा रहे हैं, जहां नए बुक कस्टमर्स की ग्रोथ मेट्रो शहरों की तुलना में दोगुनी रफ्तार से बढ़ रही है। इस डिमांड को सपोर्ट करने के लिए कंपनी ने अपनी सेम-डे डिलीवरी क्षमता को काफी बढ़ा दिया है, और अब टॉप 20 शहरों में पिछले साल की तुलना में दोगुने कस्टमर्स तक पहुंच रही है। राजर्षि गुइन, डायरेक्टर, बुक्स एंड टॉयज, अमेजन इंडिया ने कहा, किताबें अमेजन की पहचान का केंद्र बिंदु हैं, और भारत के पाठकों के लिए हमारी प्रतिबद्धता पहले से कहीं ज्यादा गहरी हुई है, भारत की सांस्कृतिक और शैक्षणिक विविधता को प्रदर्शित करने वाला साहित्य संग्रह से लेकर, तेज डिलीवरी और डिस्कवरी में निवेश करने तक, हमारा पूरा ध्यान रीडिंग को ज्यादा फायदेमंद और ज्यादा सुविधाजनक बनाने पर है।

चाहे वो मेट्रो में एक युवा रीडर हो या टियर-3 टाउन में एक स्टूडेंट, हम हर दरवाजे तक सही किताब पहुंचाना चाहते हैं। 14 से ज्यादा भारतीय भाषाओं में उपलब्ध, 2 करोड़ से ज्यादा किताबों के कैटलॉग के साथ, अमेजन भारत के 100 प्रतिशत सर्विसेबल पिन कोड्स तक किताबें डिलीवर करता है। इस कैटेगरी में लिटरेरी फिक्शन, सेल्फ-हेल्प, बिजनेस और चिल्ड्रन्स बुक्स जैसे जॉनर्स में मजबूत डबल-डिजिट ग्रोथ देखी जा रही है, वहीं मलयालम और तमिल में रीजनल लैंग्वेज बुक्स की डिमांड पिछले साल की तुलना में दोगुनी हो गई है। एजुकेशनल कंटेंट भी मजबूत बना हुआ है, जिसमें गवर्नमेंट एग्जाम प्रीपरेशन मटीरियल्स में 30 प्रतिशत से ज्यादा की ग्रोथ हुई है, और इंजीनियरिंग व लॉ के लिए स्पेशलाइज्ड मटेरियल्स में पिछले साल की तुलना में 50 प्रतिशत से ज्यादा की ग्रोथ देखी गई है। डिस्कवरी और ग्राहक अनुभव को बेहतर करने के लिए, अमेजन की मंथली बुक बाजार इस साल अपनी 5वीं वर्षगांठ मना रही है।

देश में वैल्यू ऐडिशन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा स्वीकृत की जाने वाली यह सबसे महत्वपूर्ण योजना है: डॉ. अजय चौधरी

मुंबई, एजेंसी। डॉ. अजय चौधरी, एचसीएल के संस्थापक, ऐपिक फाउंडेशन के अध्यक्ष ने कहा कि मैं पैसिव कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम की घोषणा का स्वागत करता हूँ। वित्त वर्ष 26 से वित्त वर्ष 32 तक 6 वर्षों की अवधि के लिए 22,919 करोड़ के स्वीकृत परिव्यय के साथ, यह योजना इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में भारत के विकास पथ में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सरकार शुरू से ही सही दिशा में आगे बढ़ रही है, उसने सेमीकंडक्टर मिशन की घोषणा की है, जो देश के लिए ऐक्टिव कम्पोनेंट और सेमीकंडक्टर चिप्स बनाएगा। इससे पहले, सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक प्रमुख पीएलआई कार्यक्रम की भी घोषणा की थी, जिसके परिणामस्वरूप इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और भारत में रोजगार और यहां से होने वाला निर्यात भी बढ़ा है। इसके बाद, यह देश में वैल्यू ऐडिशन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा स्वीकृत की जाने वाली सबसे महत्वपूर्ण योजना है। और यह कुछ ऐसा है जिसके होने का मैंने दशकों से इंतजार किया है। यह बहुत अहम है क्योंकि कदम दर कदम, सरकार ने हर उस पहलू पर काम किया है जिसकी उद्योग को जरूरत थी। और यह इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए एक बड़ा कदम है। यह पहल भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण हो सकता है, जो देश को वैश्विक बाजार में एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में स्थापित करेगा।

भारत से सालाना 10 अरब डॉलर का माल जा रहा पाकिस्तान, व्यापार प्रतिबंधों के बाद भी लेन-देन

नई दिल्ली, एजेंसी। व्यापार प्रतिबंधों के बावजूद भारत से हर साल 10 अरब डॉलर से ज्यादा का माल दुबई, सिंगापुर और कोलंबो जैसे बंदरगाहों के जरिये अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान पहुंच रहा है। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए बर्बर आतंकवादी हमलों के बाद लगाए गए व्यापार प्रतिबंधों के मद्देनजर आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने एक नोट में कहा, भारतीय कंपनियां इन बंदरगाहों पर सामान भेजती हैं। वहां एक स्वतंत्र कंपनी खेप को उतारती है और उन्हें बॉन्डेड गोदामों में रखती है। वहां ट्रांजिट के दौरान शुल्क का भुगतान किए बिना माल को रखा जा सकता है। थिंक टैंक ने कहा, ट्रांजिट के बाद गोदामों में रखे गए माल के लेबल और दस्तावेजों को मूल देश (ओरिजिन कंट्री) से अलग दिखाने के लिए संशोधित किया जाता। ऐसे में लगता है कि माल किसी तीसरे देश से आ रहा है और फिर उसे ऊंची कीमतों पर बेचा जाता है।

इस तरीके से कंपनियों को व्यापार प्रतिबंधों को दरकिनार करने और तीसरे देश के रास्ते से ऊंची कीमतों पर माल बेचने में मदद मिलती है। यह तरीका जांच से बचने में भी सहायक है, क्योंकि ऐसा लगता है कि व्यापार अन्य देशों से किया जा रहा है।जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, व्यापार का यह तरीका हमेशा अवैध नहीं होता, लेकिन गुमराह करने जैसा है। इससे पता चलता है कि व्यापार के लिए कैसे रचनात्मक तरीके खोजे जाते हैं। कई बार उनकी चाल सरकारों की प्रतिक्रिया से भी तेज होती है। जीटीआरआई के नोट में उदाहरण के जरिये उत्पादों के लेबल को बदलकर ऊंची कीमतों पर बेचने का गणित बताया गया है। न लीजिए, एक कंपनी भारत से दुबई के लिए एक लाख डॉलर मूल्य के ऑटो पार्ट्स का निर्यात करती है। भारत में निर्मित इन उत्पादों पर मेड इन यूएई का दोबारा लेबल लगाने के बाद 1.30 लाख डॉलर में पाकिस्तान भेज दिया जाता है, जिसके साथ भारत का सीधे तौर पर कोई व्यापार नहीं है। इस उच्च कीमत में भंडारण, कागजी कार्रवाई और बंद बाजार तक पहुंच भी शामिल है।

जीएसटी का नया रूल, अपील के लिए ई-फाइलिंग जरूरी होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने जीएसटी अपील ट्रिब्यूनल (जीएसटीएटी) के लिए नियम नोटिफाई कर दिए हैं, जिनमें अब अपील दायर करने के लिए ई-फाइलिंग जरूरी होगी और सुनवाई हाइब्रिड तरीके से होगी। यानी अब सुनवाई के लिए जरूरी नहीं कि आपको हमेशा ट्रिब्यूनल में खुद जाकर ही हाजिर होना पड़े। आप चाहें तो वीडियो कॉल या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए भी सुनवाई में शामिल हो सकते हैं। यह सिस्टम सभी के लिए जरूरी होगा, जिससे सुनवाई ज्यादा आसान और सुविधाजनक हो जाएगी।

ये है नया नियम

नए नियमों के मुताबिक अगर कोई अर्जेंट मामला किसी एप्लिकेंट की तरफ से दोपहर 12 बजे से पहले फाइल कर दिया जाता है और सभी कागज पूरे हैं, तो वह केस अगले वर्किंग डे पर अपील ट्रिब्यूनल में लिस्ट किया जाएगा। बहुत एक्सेप्शनल केस में अगर एप्लीकेशन दोपहर 12 बजे के बाद और 3 बजे तक आ जाती है, तो अपील ट्रिब्यूनल या उसके प्रेसिडेंट की खास परमिशन पर उसे भी अगले दिन लिस्ट किया जा सकता है।

जीएसटी से जुड़े डिस्प्यूट्स को सुलझाने के लिए बनाए गए जीएसटीएटी की बेंच सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक और फिर 2:30 से 4:30 बजे तक बैठेगी। हालांकि, इसमें बदलाव का अधिकार प्रेसिडेंट के पास रहेगा। अपील ट्रिब्यूनल के एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिस सभी वर्किंग डेज पर सुबह 9:30 से शाम 6 बजे तक खुले रहेंगे। पिछले साल मई में सरकार ने जस्टिस (रिटायर्ड) संजय कुमार मिश्रा को जीएसटी अपील ट्रिब्यूनल का पहला प्रेसिडेंट नियुक्त किया था। मिश्रा झारखंड हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस रहे हैं और उनकी नियुक्ति चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया की अध्यक्षता वाली सर्च-कम-सिलेक्शन कमेटी ने की थी।

कैसा है जीएसटी का स्ट्रक्चर

जीएसटीएटी एक ऊपरी अदालत है, जहां जीएसटी से जुड़े अपने केस में पहली अपील के फैसले से संतुष्ट न हों तो दोबारा अपील कर सकते हैं। इसे सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स एक्ट, 2017 के तहत बनाया गया है। इसमें एक प्रिंसिपल बेंच और अलग-अलग राज्यों में कई स्टेट बेंचें बनाई गई हैं। जीएसटी काउंसिल की मंजूरी के बाद सरकार ने प्रिंसिपल बेंच दिल्ली में और 31 स्टेट बेंच देशभर के अलग-अलग जगहों पर नोटिफाई की हैं। जुडिशियल और टेक्निकल की नियुक्ति का प्रोसेस चल रहा है। ट्रिब्यूनल बनने से जीएसटी डिस्प्यूट्स का निपटारा जल्दी, पारदर्शी और आसान तरीके से होगा, साथ ही हाई कोर्ट पर केसों का बोझ भी कम होगा। जीएसटीएटी की स्थापना जीएसटी सिस्टम को ज्यादा इफेक्टिव और ट्रांसपेरेंट बनाने में मदद करेगी।

निशान साहिब का 15वां स्थापना दिवस मनाया

छिंदवाड़ा। रविदास धाम वार्ड नं 23 खिरकापुरा में निशान साहिब की एवं ग्रंथ साहिब के 15 वा स्थापना दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला रविदास समाज के अध्यक्ष श्याम डोले ने बताया कि सर्वप्रथम गुरुजी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अरदास आरती की गई तत्पश्चात समाज के वरिष्ठ नागरिक एवं सम्माननीय पदाधिकारीयों द्वारा गुरु ग्रंथ साहिब की पूजा अर्चना कर निशान साहिब स्मारक पर माल्यार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित थे एस पी सेवतिया, कामता प्रसाद अहिरवार, मनोज चौरे, विक्रांत अहिरवार, अशोक बिंझाडेकर,राजकुमार अहिरवार, हरीश बघेल, सुरेश डोले,आकाश अहिरवार, राजेश डोले, नीरज अहिरवार, राजकुमार गोनेकर,बसंत पहाड़े इत्यादि मौजूद थे।

राहगीरों की प्यास बुझाने समाज सेवी दयानंद ने खोले प्याऊ

छिंदवाड़ा। भीषण गर्मी को देखते हुये राहगीरों की प्यास बुझाने समाजसेवी दयानंद ने नगर में विभिन्न स्थानों पर प्याऊ केन्द्र खोलने का विगत् लंबे समय क्रम जारी रखा है । इसी क्रम में उन्होनें सिटी कोतवाली, मुख्य डाकघर के सामने, मुख्य डाकघर के पीछे आधार कार्ड केन्द्र, हनुमान मंदिर के पास लालबाग, संतोषी माता दरबार चार फाटक के पास, शैल पुत्री माता मंदिर बुधवारी बाजार सहित अन्य स्थानों पर प्याऊ खोले जा रहे है, जिससे इस भीषण गर्मी में ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले राहगीरों की प्यास बुझ सके । दयानंद ने बताया कि उन्होनें प्रत्येक प्याऊ केन्द्र में प्रतिदिन साफ-सफाई की व्यवस्था, विधिवत गिलास एवं स्टेण्ड लगाकर मिट्टी के घड़ों की व्यवस्था की है ताकि साफ-सफाई बनी रही और राहगीरों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके । साथ ही उन्होनें पशु, पक्षियों के लिये पेजयल के पात्र रखे हैं जिससे कि इस भीषण गर्मी में प्यास से तरसते पशु-पक्षियों की प्यास बुझ सके । दयानंद के द्वारा किये जा रहे इस पुनीत कार्य में शहर के अन्य लोग भी उनका सहयोग कर रहे हैं ।

पाकिस्तान और आतंकवाद का हिंदू संगठनों ने जलाया पुतला

अमरवाड़ा। हिंदू संगठनों ने पहलगांव मैं हुए आतंकी हमले के विरोध में पाकिस्तान और आतंकवाद का जलाया पुतला जानकारी के अनुसार अमरवाड़ा नगर के गंज बाजार से सभी हिंदू संगठनों ने एकत्रित होकर नगर के मुख्य मार्ग से रैली निकालकर अमरवाड़ा नगर के बस स्टैंड में जमकर नारेबाजी करते हुए पहलगांव में हुए आतंकी हमले के विरोध में पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला दहन किया और सरकार से मांग की की पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब देना होगा और पाकिस्तान के झंडे को पैरों से दबाकर विरोध किया

पहलगाम में मारे गए लोगों को दी श्रद्धांजली

नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (नीमा) जिला शाखा छिंदवाड़ा द्वारा पहलगाम में मारे गए लोगों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी । इस श्रद्धांजलि सभा मे नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ गणेश प्रसाद साहू, सचिव डॉ अरविंद राउत, डॉ एच बी सुनेजा, डॉ ए के जैन, डॉ ए के शर्मा, डॉ अभय बापट, डॉ उपेंद्र भारद्वाज, डॉ हरिप्रसाद सतनामी, डॉ कमलेश सोनारे, डॉ मयंक कुमार साहू, डॉ अर्चना साहू, डॉ भाग्यश्री कराडे और अन्य नीमा के सदस्य उपस्थित थे ।

किसानों को नरवाई न जलाने के लिये किया प्रेरित

सब स्वायलर यंत्र द्वारा नरवाई प्रबंधन तकनीक का किसानों के समक्ष किया प्रदर्शन

छिन्दवाड़ा। जिले के विकासखंड चौरई के ग्राम हरनाखेड़ी में कृषक श्री प्रदीप चौरसिया के खेत में नरवाई प्रबंधन के लिये सब स्वायलर यंत्र द्वारा नरवाई प्रबंधन तकनीक का उपस्थित किसानों के समक्ष प्रदर्शन किया गया। उपस्थित किसानों को राजस्व अनुविभागीय अधिकारी प्रभात मिश्रा द्वारा किसानों को नरवाई ना जलाने के लिये प्रेरित किया गया एवं उपस्थित कृषकों को नरवाई प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान तहसीलदार चांद द्वारा उपस्थित कृषकों को नरवाई ना जलाने की अपील की गई एवं उन्हें जानकारी दी गई कि यदि कृषक नरवाई जलाते हैं तो उनके ऊपर जुर्माना अधिरोपित किया जाएगा एवं पुलिस प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। इस प्रदर्शन तकनीक के समय विकासखंड चौरई के राजस्व अनुविभागीय अधिकारी प्रभात मिश्रा, तहसीलदार चांद सुश्री शोभना ठाकुर, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी उमेश पाटिल, कृषि विस्तार अधिकारी सनोद मर्सकोले, कृषक प्रदीप चौरसिया सहित ग्राम के अन्य कृषक उपस्थित थे।

तारण तरण तत्वार्थ संस्कार शिविर बच्चों ने दी परीक्षा

अमरवाड़ा। धर्म नगरी अमरवाड़ा में जैन मंदिर में तरण तरण तत्वार्थ संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें परम पूज्य इतिहास रत्नाकर आध्यात्म रत्न ब्रह्मचारी बसंत जी महाराज का मंगल सानिध्य प्राप्त हुआ है जानकारी के अनुसार शिविर का शुभारंभ 23 अप्रैल से प्रारंभ हुआ और 27 अप्रैल दिन रविवार तक चल जहां रविवार को शिविर में उपस्थित हुए सभी बच्चों की परीक्षाएं आयोजित हुई जिसमें प्रथम वर्ग पर नर्सरी से केजी2, द्वितीय वर्ग पर कक्षा पहली से तीसरी तक, तृतीय वर्ग पर चौथी से छठवीं तक और चतुर्थ पर सातवीं से नवनी और पंचम वर्ग में दसवीं से 12वीं तक की अलग-अलग कक्षाएं तारण भवन में संचालित हुई ।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में 1021 जोड़ों का हुआ विवाह...

भाजपा ने गरीब पिता को सम्मान के साथ जीने का हक दिया: बंटी साहू

छिंदवाड़ा। गरीबों के कल्याण के लिए मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह एक महत्वपूर्ण योजना है। जिसके माध्यम से भाजपा सरकार ने गरीब पिता को सम्मान के साथ जीने का हक दिया है। इसमें गरीब भी अपनी बेटी का विवाह बाजे गाजे और धूमधाम से सम्मान के साथ कर पा रहा है। उक्त बात सांसद बंटी विवेक साहू ने जुन्नारदेव में आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना के समारोह को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर उन्होंने नव विवाहित जोडों को शुभकामनाएं दी और उन पर फूल बरसाए।

जीएम ऑफिस खापा स्वामी कन्हान वैली स्टेडियम में आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत रविवार को 1021 जोडों ने एक दूसरे का हाथ थामा। इसमें तीन निकाह भी शामिल है। जुन्नारदेव में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में मुख्यमंत्री कन्यादान कल्याण योजना से विवाह हुए है। इस अवसर पर सांसद श्री साहू ने कहा कि गरीब के कल्याण के लिए निकली योजना में कन्यादान योजना भी महत्वपूर्ण है। पहले गरीब को बेटी का विवाह सम्मान के साथ करने की चिंता रहती थी। वह इस योजना के माध्यम से अपनी बेटी का विवाह सम्मान के साथ कर पा रहा है। आज हजारों लोगों की उपस्थिति में विवाह संपन्न हो रहे है। इस अवसर पर सामारोह को भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव, पूर्व विधायक नत्थनशाह कवरेती, विधायक सुनील उईके,जनपद अध्यक्ष जुन्नारदेव सविता बोसम, नगरपालिका अध्यक्ष जुन्नारदेव रमेश सालोडे, नगरपालिका अध्यक्ष दमुआ किरण खातरकर ने भी संबोधित किया।

5 करोड़ 29 हजार के प्रतीकात्मक चेक प्रदान किये

कार्यक्रम में सांसद बंटी विवेक साहू ,पूर्व विधायक नत्थनशाह कवरेती, विधायक सुनील उईके,जनपद अध्यक्ष जुन्नारदेव सविता बोसम, नगरपालिका अध्यक्ष जुन्नारदेव रमेश सालोडे, नगरपालिका अध्यक्ष दमुआ किरण खातरकर ने वर वधुओं को 5 करोड़ 29 हजार के प्रतिकात्मक चैक प्रदान किया।

सांसद ने बजाए ढोल नगाड़े, थिरके जनप्रतिनिधि

इससे पहले दुर्गा स्टेज से बारात निकली। जिसमें सांसद बंटी विवेक साहू भी ढोल बजाते हुए बारात में शामिल हुए। बारात में शामिल जनप्रतिनिधि भी जमकर नाचे। बडी संख्या में स्थानीय नागरिक भी विवाह समारोह में पहुंचे। भारी गर्मी के बाद भी हजारों लोग देर तक समारोह स्थल पर मौजूद रहे। समारोह में आदिवासी समाज की परंपरा व गायत्री परिवार सहित अन्य रीति रिवाज ने विवाह संस्कार संपन्न कराया।

सांसद बंटी साहू ने सुनी प्रधानमंत्री की मन की बात

छिंदवाड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 121 वे संस्करण को सांसद बंटी विवेक साहू ने शिवपुरी ग्राम के बूथ क्रमांक 48 में राजेंद्र पटेल के निवास पर देखा और सुना। कार्यक्रम के उपरांत सांसद श्री साहू ने बताया कि मन की बात में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सबसे पहले पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया।उन्होंने कहा कि जब मैं आपसे अपने दिल की बात कर रहा हूं, तो मेरे दिल में गहरी पीड़ा है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले ने हर नागरिक को दुखी कर दिया है। हर भारतीय पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी सहानुभूति रखता है। श्री साहू ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत के लोगों में जो आक्रोश है, वो आक्रोश पूरी दुनिया में है। इस आतंकी हमले के बाद लगातार दुनिया भर से संवेदनाएं आ रही हैं। पत्र लिखे हैं, संदेश भेजे हैं। उन्होंने मृतकों के परिवारजनों के प्रति संवेदनाएं प्रकट की हैं।

मन की बात जानकारियों का भंडार: शेषराव यादव

छिंदवाड़ा। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने हरिजन समाज के बंधुओं, पूर्व विधायक पंडित रमेश दुबे एवं पूर्व लोकसभा विस्तारक अशोक यादव के साथ जिला भाजपा कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनजागरण वाले मन की बात कार्यक्रम को देखा भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने मन की बात कार्यक्रम के उपरान्त संबोधित करते हुए कहा कि, ये हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में कहा क्या नया हो रहा है उसकी बारीकी से जानकारी रखते हैं और उसे मन की बात कार्यक्रम में सभी से साझा भी करते हैं। उन्होंने कहा कि मन की बात केवल हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात नहीं है बल्कि ये हर देशवासी के मन की बात है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ये बहुत अच्छे से जानते हैं कि देश के कौन से वर्ग के मन में क्या बात चल रही है और वे मन की बात से उसका समाधान भी कर देते हैं।

बाल विवाह की रोकथाम के लिये निकाली गई जागरूकता रैली

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास परियोजना हर्रई के अंतर्गत परियोजना अधिकारी रत्नेश कुमार वैद्य परियोजना हर्रई के मार्गदर्शन में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत अक्षय तृतीया पर एक भी बाल विवाह न हो सके, इसके लिये महिला एवं बाल विकास पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका व प्रदीपन संस्था के सहयोग से जनपद पंचायत हर्रई के ग्राम सुरलाखापा में गत दिवस जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से बाल विवाह के दुष्परिणाम बताये गये। ग्रामीणजनों को बताया गया कि लड़के की उम्र 21 वर्ष व लड़की की उम्र 18 वर्ष पूर्ण होने के बाद ही विवाह करना चाहिये। परियोजना अधिकारी हर्रई श्री वैद्य द्वारा सभी स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणजनों, शासकीय कर्मचारियों, स्थानीय ग्राम स्तरीय समिति से आग्रह किया गया है कि बाल विवाह की रोकथाम के लिये सहयोग करें, जिससे बाल विवाह को रोका जा सकें। सभी को कंट्रोल रूम के नंबर पर सूचना देने के लिये भी बताया गया।

पेंच टाइगर रिजर्व रुखड़ परिक्षेत्र में मादा बाघिन का शव मिला

बाघिन के पंजे व दांत काटने बालों की सूचना पर रू.10 हजार का इनाम

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के पेंच टाइगर रिजर्व के अंतर्गत आने वाले रुखड़ परिक्षेत्र की रुखड़ बीट में गश्ती दल को मासूरनाला नामक नाले के पास एक बाघ के शव की बदबू महसूस हुई। घटनास्थल पर पहुंचने पर पाया गया कि एक गहरी खाई में नाले की रेत के अंदर एक बाघिन का शव दबा हुआ था। शव का लगभग एक तिहाई भाग रेत के बाहर और दो तिहाई भाग रेत के अंदर था।टाइगर रिजर्व के फोटो डेटाबेस से मिलान करने पर स्पष्ट हुआ कि मृत बाघिन की पहचान PN 42 के रूप में हुई है, जिसे पहली बार वर्ष 2016 में कैमरा ट्रैप में एक वयस्क बाघिन के रूप में दर्ज किया गया था। उस समय इसकी उम्र लगभग 2-3 वर्ष थी। इस अनुमान के अनुसार बाघिन की वर्तमान आयु लगभग 12 वर्ष से अधिक थी।वरिष्ठ वन्यजीव चिकित्सक डॉ. अखिलेश मिश्रा के नेतृत्व में गठित दल ने एनटीसीए (NTÇ) के एसओपी के अनुरूप शव परीक्षण किया। पोस्टमार्टम के दौरान किसी भी प्रकार के विषाक्तता, करंट या गोली लगने के निशान नहीं पाए गए। प्रथम दृष्टया यह मृत्यु प्राकृतिक प्रतीत होती है। हालांकि, पोस्टमार्टम के दौरान यह भी सामने आया कि बाघिन के चारों पंजे किसी धारदार हथियार से काटे गए थे और तीन केनाइन दांत भी उखाड़े गए थे।पोस्टमार्टम के बाद NTCA के प्रोटोकॉल के अनुसार क्षेत्र संचालक, उप संचालक और भस्मीकरण समिति के सदस्यों की उपस्थिति में मृत बाघिन का दाह संस्कार किया गया। फिलहाल प्रकरण की विस्तृत जांच जारी है। पेंच टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक देवप्रसाद ने दोषियों का पता लगाने में मदद करने के लिए रू.10,000 के इनाम की घोषणा की है। यदि किसी व्यक्ति के पास इस घटना से संबंधित पुख्ता सूचना है तो वह 7447443015 पर संपर्क कर सकता है। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

पुलिस ने जब्त की 3 लाख 48 हजार की अवैध अंग्रेजी शराब

पत्नी को आत्महत्या के दुष्प्रेरण के मामले में पुलिस ने पति को गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। पुलिस अधीक्षक छिन्दवाडा अजय पाण्डे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता (आई.पी.एस.) एवं नगर पुलिस अधीक्षक अजय राणा एवं थाना प्रभारी कुंडीपुरा निरी. मनोज बघेल के कुशल मार्गदर्शन में अवैध गतिविधियो पर शक्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया, इसी क्रम में चौकी प्रभारी धरमटेकडी उनि राजेश साहू के द्वारा चौकी क्षेत्र में लगातार अवैध गतिविधियों के विरुद्ध प्रभावी अभियान चलाते हुए मुखबिर तंत्र सक्रिय कर टीम गठित कर अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाते हुये शराब तस्कर एवं विक्रय व परिवहन करने वाले व्यक्तियो के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत त्वरित एवं सख्त प्रभावी कार्यवाही की गयी । पराग बुनकर पिता मनोज बुनकर उम्र 22 वर्ष एवं शरद कोलारे पिता शिवप्रसाद कोलारे उम्र 32 वर्ष को वनगांव रिंग रोड के पास परासिया रोड में 05 खड्डे के कार्टून/पेटी में अंग्रेजी शराब आफिसर च्वाईस के जिसमें प्रत्येक में 48,48 पाव सीलबंद प्रत्येक में 180 मि.ली. के तथा 02 खड्डे के कार्टून /पेटी में देशी प्लेन मदिरा प्रत्येक में 50-50 पाव सीलबंद प्रत्येक में 180 मि.ली. के कुल 61.200 लीटर शराब कीमती तथा महेन्द्रा कंपनी एक इलेक्ट्रिक आटो क्र. -0299 सफेद रंग के साथ पकडा गया । आरोपी गणों के विरुद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट अंतर्गत मामला दर्ज कर 3,47,800/- रूपये का मशरूका जप्त किया गया दोनो गिरफ्तार आरोपीगण को न्यायालय पेश किया गया। राजेश पिता येमचंद्र सनोडिया उम्र 43 साल निवासी पटेल कॉलोनी छिंदवाड़ा को अपनी पत्नी को आत्महत्या के दुष्प्रेरण के मामले में चंद घंटो में गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया ।

सांसद के प्रयासों से संसद भवन का भ्रमण करेंगी देवगढ़ की छात्राएं

छात्राओं से मुलाकात कर उन्हें दिल्ली के लिए रवाना किया

छिंदवाड़ा। सांसद के प्रयासों से देवगढ़ की 16 छात्राएं पहली बार संसद का भ्रमण करेगी। इनमें से 13 छात्राएं ऐसी है जिन्होंने अभी तक एक बार भी ट्रेन में सफर नहीं किया था। इनमें से सिर्फ 3 छात्राओं ने ही ट्रेन में सफर किया है। रविवार को सांसद श्री साहू ने अपने परासिया रोड स्थित आवास में देवगढ़ की छात्राओं और शिक्षकों से मुलाकात कर उन्हें दिल्ली के लिए रवाना किया।उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा के इतिहास में यह पहला मौका है कि किसी सांसद की पहली और प्रयासों से ग्रामीण अंचलों में रहने वाले विद्यार्थियों को संसद और दिल्ली भ्रमण का मौका मिला है। जिसमें सांसद श्री साहू की ओर से विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए दिल्ली तक आने जाने एवं रहने के साथ ही सभी व्यवस्थाएं की गई है। पिछले दिनों छिंदवाड़ा के 6 पत्रकारों सहित तामिया के 14 विद्यार्थियों एवं 2 शिक्षकों ने संसद सहित दिल्ली का भ्रमण किया था। जिन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया था कि छिंदवाड़ा के इतिहास में यह पहला मौका है कि किसी सांसद की पहल और प्रयासों से विद्यार्थियों और पत्रकारों को संसद सहित दिल्ली भ्रमण का मौका मिला है।

महंगाई भत्ता बढ़ाने एवं पदोन्नति आदेश शीघ्र जारी करने की घोषणा

अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

छिंदवाड़ा। भोपाल में आयोजित राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रांतीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों के हित में ऐतिहासिक घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने घोषणा में प्रदेश के सभी शासकीय कर्मचारियों को 1 जुलाई 2024 से 3प्रतिशत तथा 1 जनवरी 2025 से 2 प्रतिशत महंगाई भत्ते की अतिरिक्त किस्त स्वीकृत की जाएगी।अब प्रदेश के कर्मचारियों को भारत सरकार के समान कुल 55प्रतिशत महंगाई भत्ता प्रदान किया जाएगा। बढ़े हुए महंगाई भत्ते की एरियर राशि का भुगतान पांच समान किस्तों में जून 2025 से अक्टूबर 2025 के बीच कर दिया जाएगा, जिससे कर्मचारीगण दिवाली का त्योहार प्रसन्नता से मना सकेंगे।साथ ही मुख्यमंत्री जी ने यह भी आश्वासन दिया है कि पदोन्नति के आदेश शीघ्र प्रसारित किए जाएंगे। मध्यप्रदेश अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा एवं मध्यप्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ, जिला छिंदवाड़ा की ओर से सतीश गोंडाने एवं संयुक्त मोर्चे की समस्त टीम की ओर से, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है।

सर्वोदय अहिंसा की सराहनीय पहल....

राजस्थानी गौ सेवा समिति ने 180 गौवंश को कराया भोजन

छिंदवाड़ा। कल वैशाख सुदी दूज मंगलवार 29 अप्रैल के शुभ दिन मध्य प्रदेश की धर्म नगरी छिंदवाड़ा सहित सम्पूर्ण विश्व की सकल स्वाध्याय प्रेमी दिगंबर जैन मुमुक्षु समाज एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन स्वर्णपुरी सोनगढ़ के संत आध्यात्मिक सतपुरुष गुरुदेवश्री कानजी स्वामी का 136 वां उपकार दिवस विविध अनुष्ठानों के साथ भक्ति भाव पूर्वक मनावेगा।

उपकार दिवस के अवसर पर छिंदवाड़ा में जियो ओर जीने दो के साथ सर्वोदय अहिंसा की पवित्र भावना को लेकर भीषण ग्रीष्म काल की देखते हुए रविवार अमावस्या के शुभ दिन राजस्थानी गौ सेवा समिति एवं सर्वोदय अहिंसा की टीम नगर पालिक निगम द्वारा संचालित गौशाला खापाभाट पहुंची ओर वहां निवास कर रहे 180 पशुधन की सेवा कर उन्हें हरी सब्जी, फल, मिष्ठान, गुड खिलाकर जीव दया का परिचय दिया।

इस पवित्र एवं नेक कार्य में सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश संयोजक एवं नगर पालिक निगम स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर दीपक राज जैन के साथ अहिंसा प्रेमी राजस्थानी गौ सेवा समिति के सक्रिय सदस्य महेश राजपुरोहित, कानसिंह राजपुरोहित, निंबाराम देवासी, भगाराम देवासी, रामाराम देवासी, अशोक सुथार, रविंद्र जाट, किशन सिंह राठौड़, लक्ष्मण चौधरी, कृष्ण चौधरी, ललित भाई, संभव बाबू माली, हरीश सुथार, पीराराम देवासी, किशन शर्मा, मनीष संत, डायाराम सुथार, किशन देवासी ने यह पवित्र एवं नेक कार्य कर जीव रक्षा का संकल्प लिया। सभी ने गौशाला के सुंदर संचालन के लिए नगर पालिक निगम, छिंदवाड़ा का आभार व्यक्त किया ओर जीव दया के इस सुंदर कार्य की अनुमोदना करते हुए देश वासियों से ग्रीष्म काल में पशु पक्षियों के लिए दाना पानी रखने की अपील की।

कल मनेगा 136 वां उपकार दिवस

फेडरेशन सचिव दीपक राज जैन ने बताया कि कल वैशाख सुदी दूज मंगलवार को मुमुक्षु मंडल एवं युवा फेडरेशन प्रातः 7 बजे श्री आदिनाथ दिगंबर जिनालय गोल गंज में श्री जिनबिंब प्रक्षालन से गुरुदेवश्री की समर्पित 136 वें उपकार दिवस का शुभारंभ करेगा पश्चात 7.15 से श्री जिनेन्द्र पूजन, 8.30 बजे से स्वाध्याय भवन में गुरुदेवश्री के सीडी प्रवचन, 9 बजे से बाल ब्रह्मचारिणी ममता दीदी का स्वाध्याय एवं 9.45 से गुरुदेवश्री के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर विशेष सभा होगी। रात्रि 8.15 बजे से वीतराग भवन में ब्रह्मचारिणी ममता दीदी के प्रवचन एवं 9 बजे से वीतराग विज्ञान पाठशाला द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है जिसमें सकल जैन समाज से सम्मिलित होकर धर्म लाभ लेने की अपील मंडल एवं फेडरेशन द्वारा की गई है।

शक्कर नदी के घोघड़ा कुंड के आसपास की गई साफ-सफाई संरक्षण के बताये उपाय

जन अभियान परिषद के कार्यकर्ता द्वारा किया गया श्रमदान

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र.जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन एवं विकासखंड समन्वयक आशीष नेमा के कुशल मार्गदर्शन और उपस्थिति में विकासखंड हर्रई के ग्राम करैया के पास शक्कर नदी के घोघड़ा कुंड के आसपास साफ-सफाई की गई एवं इसके संरक्षण के लिए विभिन्न उपायों को बताया गया। कार्यक्रम के बाद जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन द्वारा जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर जिला समन्वयक श्री जैन ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पूरे जिले में जल संरक्षण के लिये विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के आह्वान पर जिला प्रशासन के सहयोग से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद पूरे जिले में विभिन्न गतिविधियां संचालित कर रहा है, जिससे जन समुदाय की सहभागिता हो रही है और जन समुदाय द्वारा जल संरक्षण के लिये विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखंड हर्रई के विकासखंड समन्वयक आशीष नेमा, परामर्शदाता दीपक मिश्रा, शिवकुमार उईके, श्रीमती स्वाति गुप्ता, प्रकाश परतेती, अखिलेश इनवाती, एमएसडब्ल्यू व बीएसडब्ल्यू के छात्र प्रदीप गिरी गोस्वामी, सुनील काकोड़िया, उमा प्रसाद ऊईके, गंगा नेमा, पूजा, सत्य कुमारी, गुरु, मनोज ईनवाती, मनोज ऊईके, रेखा व पूजा विश्वकर्मा आदि छात्राएं उपस्थित थीं।

पुराने तालाब के गहरीकरण का कार्य किया

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार विकासखंड छिंदवाड़ा की ग्राम पंचायत उभेगांव में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आज पुराने तालाब के गहरीकरण का कार्य प्रारंभ किया गया। इस दौरान ग्राम के सम्मानित गणमान्य नागरिक, एसडीएम श्री सुधीर जैन, सीईओ जनपद पंचायत छिंदवाड़ा, सहायक यंत्री, उपयंत्री, सरपंच व सचिव द्वारा श्रमदान किया गया।

पश्चिमाभिमुख शिवालय रथिकाओं से युक्त भोजपुर शिव मंदिर

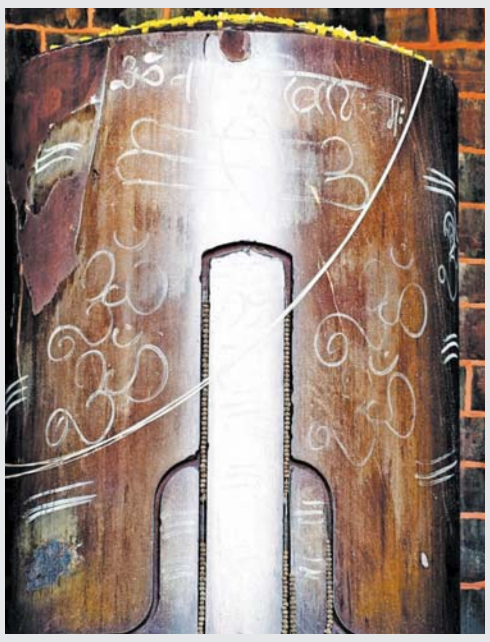

भोजपुर। इस अनूठे किन्तु अपूर्ण मन्दिर का निर्माण सुप्रसिद्ध घस्तार - वंशीय राजा भोजदेव प्रथम (ई. 1010-1055) द्वारा किया गया था । राजा भोज कला एवं बिया के सहात संरक्षक थे । पश्चिमाभिमुख शिवालय रथिकाओं से युक्त एक विस्तृत जगती (32.25 मीटर 250 नीरव 5 बीरर) पर निर्मित है। मूलत: इन रधिकाओं ने विभिन्न देवी-देवताओं की मूर्तियाँ जड़ी थी। वर्गाकार अर्मगृर का प्रवेश-द्वार चन्दशिलायुक्त है। गर्भगृह में स्थापित ओपयुक्त शिवलिंग (2.03 मीटर) भारत में बिशालतम है । गर्भगृह की द्वार शाखा पत्रसज्जा तथा कुबेर, शैव-द्वारपाल, परिचारिकाओं तथा गंगा एवं यमुना की मूर्तियों से अलंकृत है।

समकेन्द्रित क्लयों द्वारा निर्मित गर्भगृह का अलंकृत वितान चार विशाल स्तंभों पर आधारित है, जिनके शीर्प-फलको पर शिव-पार्वती लक्ष्मीनारायण, ब्रह्मा-सावित्री एवं राम जानकी का अंकन किया गया है। सन्दिर का बाह्य भाग अदल-शीर्षकों पर आश्रित अकृत धन्जों से सुसज्जित है। इस मन्दिर के निर्माण हेतु एक चुनाईदार स्पटे का निर्माण किया गया था। जिसके पर से निखित विशाल नास्तु खण्ड अन्दिर के उपरी भाग एक हैं चाथै आते थे। स्परे का कुछ भाग लोगों द्वारा विशस्त कर दिया गया है । मन्दिर के समीप संगतराशों द्वारा गरे गए स्थापत्य खण्ड एवं प्रस्तर चिप्पियों के देर हैं। मन्दिर निर्माण रेतु प्रस्तर समीपस्थ प्राचीन वटानों से ही प्राप्त किया जाता था, जिनके काटने के चिन्ह अब भी मिलते हैं।

छायांकन एवं प्रस्तुति-जगदीश कौशल, भोपाल

ओंकारेश्वर में 500 शंकरदूतों का होगा दीक्षा संस्कार

एकात्म धाम में दो मई तक मनेगा एकात्म पर्व

भोपाल। प्रदेश के खंडवा जिले की धार्मिक तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में सोमवार से दो मई तक पंच दिवसीय एकात्म पर्व मनाया जायेगा। इस पर्व को आचार्य शंकर के प्रकटोत्सव के दौरान ओंकारेश्वर के एकात्म धाम में मनाया जायेगा। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास और संस्कृति विभाग मप्र शासन के द्वारा आचार्य शंकर की गुरु एवं संन्यास भूमि पर इस पर्व का शुभारंभ सोमवार सुबह सात बजे महर्षि सांदीपनि वेद विद्यापीठ एवं आर्ट ऑफ लिविंग गुरुकुल के आचार्यों के द्वारा वैदिक अनुष्ठान से किया गया। शोभायात्रा नर्मदा स्थित अभय घाट से निकलकर नगर भ्रमण करते हुए पुन: अभय घाट पर संपन्न होगी। इस पर्व के दौरान ओंकारेश्वर में अनेक प्रकार के आयोजनों भी किये जायेंगे। जिनमें आचार्य शंकर के स्तोत्रों का गायन, वैदिक अनुष्ठान, शोभायात्रा, अद्वैत शारदा पुस्तकालय, अद्वैत लोक प्रदर्शनी और वेदांत-विज्ञान विषयक परिचर्चाएं प्रमुख रहेंगी।

सीएम के साथ ही कई सन्यासी और संत लेंगे भाग

इस आयोजन में अनेक संत-संन्यासियों की उपस्थिति भी रहने वाली है, जिनमें जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि, इस्कॉन के गौरांग दास प्रभु, अखण्ड परम धाम के स्वामी परमानंद गिरि, स्वामी विदितात्मानंद सरस्वती, स्वामी मिथलेश नंदनी शरण, स्वामी प्रणव चैतन्य पुरी, और मां पूर्णप्रज्ञा सम्मिलित होंगे। इनके साथ ही विभिन्न सत्रों में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, संस्कृति विभाग के राज्य मंत्री धर्मेंद्र लोधी, चिंतक मुकुल कानिटकर, लेखक नीलेश नीलकंठ ओक, प्रो. गौरी माहुलिकर, प्रो. पंकज जोशी, प्रो. रामनाथ झा, कैप्टन प्रवीण चतुर्वेदी, मृत्युंजय गुहा मजूमदार और विशाल चौरसिया जैसे प्रमुख वक्ता भी इस आयोजन में भाग लेंगे। वहीं आगामी 1 मई को इस आयोजन में विशेष सत्र रील तो रियल अवेकनिंग वननेस स्टोरीटेलिंग का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें गौरांग दास प्रभु, कैप्टन प्रवीण चतुर्वेदी और विशाल चौरसिया संवाद करेंगे।

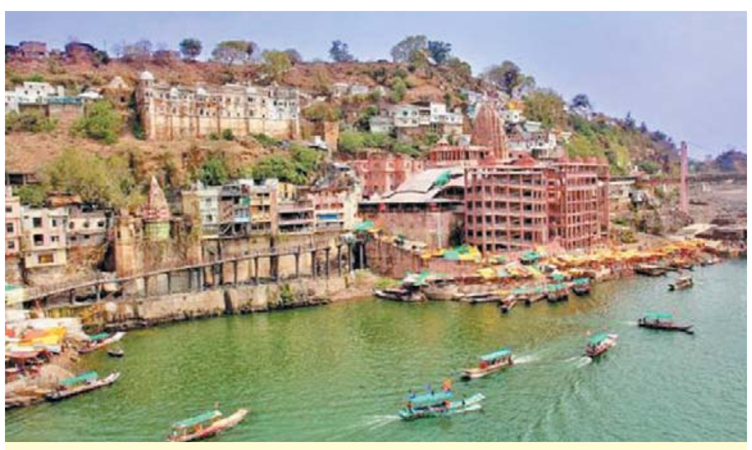

2 मई को शंकरदूतों का होगा दीक्षा संस्कार, सीएम रहेंगे मौजूद

इस आयोजन को लेकर समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि, पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान 2 मई को आचार्य शंकर प्रकटोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर 500 शंकरदूतों का दीक्षा संस्कार अभय घाट पर संतों की उपस्थिति में सम्पन्न होगा। पर्व के समापन दिवस पर प्रात: काल में विद्वानों का अलंकरण किया जाएगा, जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान शाम 5 बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी तथा नर्मदा घाट पर 10,000 दीपों का प्रज्ज्वलन और नर्मदा आरती का आयोजन किया जाएगा। ज्ञात हो कि ओंकारेश्वर में आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास एवं संस्कृति विभाग, म.प्र. शासन द्वारा एकात्म धाम प्रकल्प के अंतर्गत 108 फीट ऊंची एकात्मता की मूर्ति का निर्माण किया जा चुका है तथा अद्वैत लोक संग्रहालय एवं अंतरराष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है।

गायन एवं नृत्य की प्रस्तुति भी होगी

इस पांच दिवसीय एकात्म पर्व के अंतर्गत शंकर संगीत नामक सांगीतिक प्रस्तुति श्रृंखला आयोजित की जाएगी, जिसमें आचार्य शंकर के स्तोत्रों व अद्वैत वेदांत पर आधारित रचनाएं प्रस्तुत की जाएंगी। इस श्रृंखला में माधवी मधुकर झा, जयतीर्थ मेवुंडी, लोकमाता विद्याशंकर और सुधा रघुरामन जैसे प्रसिद्ध कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी। वहीं एक मई को शंकरदूतों द्वारा आचार्य शंकर विरचित स्तोत्रों का सामूहिक गायन किया जाएगा, जिसके बाद 2 मई को प्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना लता मुंशी द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी।

ये कार्यक्रम भी होंगे

साथ ही एकात्म पर्व के दौरान प्रतिदिन प्रात: 8.30 से 10.30 व सायं 5.30 से 7.30 तक अद्वैतामृतम नामक विशेष वैदांतिक संवाद सत्रों का आयोजन किया जाएगा। 28 और 29 अप्रैल को माँ पूर्णप्रज्ञा ओंकार विषय पर उद्बोधन देंगी। 28 अप्रैल से 1 मई तक स्वामी प्रणव चैतन्य पुरी आचार्य शंकर के जीवन एवं दर्शन पर विशेष सत्र संचालित करेंगे। 29 और 30 अप्रैल को प्रो. गौरी माहुलिकर अपना उद्बोधन देंगी और मुकुल कानिटकर अद्वैत वेदांत प्राणमय कोष विषय पर व्याख्यान देंगे।

भोपाल के रोजगार कार्यालय में आयोजित किया गया रोजगार मेला

प्रदेश में घुसपैठियों की पहचान करने चलाया जाए अभियान

इंदौर महापौर ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

इंदौर। नगर निगम महापौर पुष्यमित्र भार्गव प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखकर पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते कहा है कि घटनाओ के पीछे कहीं न कहीं आसपास के देशों के घुसपैठियों की भूमिका और संलिप्तता प्रतित होती है प्रदेश में भी घुसपैठियों से आंतरिक सुरक्षा प्रभावित हो रही है। इससे हमारा प्रदेश और इन्दौर शहर भी अछूता नही है। विभिन्न माध्यमो से निरतर हमे जानकारी मिली है कि इन्दौर में भी, बांग्लादेशी रोहिंग्या और पाकिस्तानी घुसपैठिए यहां के दस्तावेज बनाकर शहर के भिन्न-

भिन्न स्थानो पर रहने लगे है और कही न कही हमारी अर्थव्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा को भी प्रभावित कर रहे हैं। व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर इन घुसपैठियों का चिन्हांकन कर दस्तावेजों की गहनता से जांच की जानी चाहिए तथा इनके दस्तावेज निरस्त कर उन्हें देश से निष्कासित करने की कार्रवाई करने संबंधितों को निर्देशित किया जाना चाहिए।

कर्मचारी-अधिकारी हमारे परिवार के अंग है: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार लगातार हर वर्ग के कल्याण के लिए काम कर रही है। ऐसे में अधिकारी-कर्मचारी तो यह हमारे लिए शासन की नीतियों का नीचे का क्रियान्वयन कराने की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है।

ऐसे में जब भारत सरकार ने 55% डीए बढ़ाया तो हमने अपने राज्य के कर्मचारियों के लिए भी यह सौगात दी है..... मुख्यमंत्री ने कहा कि उल्लेखनीय है पहले ही हमने यात्रा भत्ते, अव्यावसायिक भत्ते, अन्य भत्ते ऐसे कई प्रकार की योजनाओं में पहले हमने उनकी राशि में वृद्धि की थी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा

कर्मचारी-अधिकारी हमारे परिवार के अंग है उनकी चिंता करना हमारा काम है और उनके माध्यम से सुशासन के सारे लक्ष्य हासिल किए जाते हैं।

हमारी सरकार लगातार इस वर्ग के लिए ध्यान देगी.... उन्होंने कहा कि एक और निर्णय कर रहे हैं हमारे सभी प्रकार की परीक्षाओं के लिए समय पर भर्ती हो जाए, सभी पदों के लिए कभी-कभी कोई स्थान खाली न रहे, इस प्रकार से हम अपनी एमपीपीएससी के लिए एग्जाम कराने की दिशा में काफी अच्छे से आगे बढ़े हैं।

प्रदेश में आज बारिश और ओले का अलर्ट, कई जिलों में गर्मी झुलसाएगी

भोपाल। प्रदेश के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है अलग-अलग स्थान पर बनी तीन मौसम प्रणालियों के असर से अरब सागर में नमी आने का सिलसिला शुरू हो गया है। सोमवार को जबलपुर समेत 11 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट है, जबकि इंदौर, भोपाल और

उज्जैन में गर्मी का असर रहेगा। अगले 4 दिन तक ओले, बारिश और आंधी का दौर बना रहेगा। इस दौरान कई जिलों में लू का भी अलर्ट है। इससे पहले रविवार को बारिश के बीच गर्मी का असर भी देखा गया। पूर्वी हिस्से में बारिश का दौर चला। छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, मंडला, डिंडौरी, सागर, विदिशा, नरसिंहपुर, सिवनी, उमरिया समेत कई जिलों में बारिश हुई।

भोपाल में आबकारी उपायुक्त के घर ईडी का छापा लोकायुक्त की जांच के आधार पर कार्रवाई

भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी विभाग के उपायुक्त आलोक खरे भोपाल, इंदौर, जबलपुर और रीवा के ठिकानों पर आज सुबह छापेमारी की है। भोपाल में खरे के साथ आबकारी विभाग के एक और अधिकारी के यहां भी सर्चिंग की सूचना है। यह कार्रवाई आबकारी विभाग के फर्जी एफडी मामले से भी जुड़ी बताई जा रही है। हालांकि अभी तक इस मामले में ईडी की ओर से अधिकृत तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। ईडी ने यह कार्रवाई लोकायुक्त छापे के आधार पर शुरू की है। लोकायुक्त पुलिस ने छह साल पहले आलोक खरे के सात ठिकानों पर छापेमारी की

थी। इनमें भोपाल में दो, इंदौर में दो, रायसेन में दो और छतरपुर में एक जगह शामिल थी। लोकायुक्त जांच में करीब 100 करोड़ से अधिक की संपति का खुलासा हुआ था। लोकायुक्त की जांच में इंदौर के पॉश इलाके में एक पैंट हाउस और एक बंगला पता चला था। भोपाल के चूनाभट्टी और बाग मुंगालिया में दो बड़े बंगले और कोलार में फार्म हाउस की जमीन है। रायसेन में दो फार्म हाउस हैं। लोकायुक्त जांच में इंदौर के बंगले से 10 लाख रुपए और रायसेन के फार्म हाउस से पांच लाख रुपए कैश मिले थे। सहायक आबकारी आयुक्त खरे का छतरपुर स्थित निवास की कीमत भी करोड़ों रुपए है। खरे के छतरपुर स्थित निवास से विदेशी मुद्रा भी मिली थी। खरे ने अपनी पत्नी के नाम पर रायसेन में फलों की खेती करना बताया था। खरे का भोपाल में बंगला नंबर 45 फेस 1 गार्डन सिटी जाटखेड़ी होशंगाबाद रोड स्थित घर पर है।

इनके ठिकानों पर पड़े छापे

शराब ठेकेदार एमजी रोड समूह के अविनाश और विजय श्रीवास्तव, जीपीओ चौराहा समूह के राकेश जायसवाल, तोपखाना समूह के योगेंद्र जायसवाल, बायपास चौराहा देवगुराड़िया समूह राहुल चौकसे, गवली पलासिया समूह सूर्यप्रकाश अरोरा, गोपाल शिवहरे, लवकुश और प्रदीप जायसवाल के ठिकानों पर छापे पड़े हैं।

इंदौर में 18 ठिकानों पर कार्रवाई

इंदौर में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को एक साथ 18 ठिकानों पर छापे मारे हैं। इनमें ज्यादातर शराब कारोबारी हैं। अल सुबह पहुंची ईडी की टीमों ने सर्चिंग शुरू कर दी है। ईडी के सूत्रों के मुताबिक बसंत बिहार कॉलोनी, तुलसी नगर और महालक्ष्मी नगर में कार्यवाही की है। फर्जी चालान और आबकारी घोटाले को लेकर यह कार्यवाही की जा रही है। यह मामला साल 2018 में सामने आया था। आरोप है कि घोटाले को आबकारी अफसरों की मिलीभगत से अंजाम दिया गया था। घोटाले का आंकड़ा 100 करोड़ रुपए तक पहुंचने के आसार हैं। इंदौर जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय में साल 2015 से 2018 के बीच सरकारी गोदाम से शराब लेने के लिए इस्तेमाल हुए 194 बैंक चालानों में गड़बड़ी सामने आई थी, जिसमें हजारों के बैंक चालानों को लाखों रुपए का बनाकर गोदामों से उतनी शराब उठाकर ठेकेदारों ने अपनी सरकारी शराब दुकान से बेच दी थी।